सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 132 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 23 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बांग्लादेश के नागरिकों को भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिखा खुला पत्र, जय माँ काली! से शुरू किया संदेश

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के नागरिकों के नाम हिंदी और बांग्ला भाषा में एक खुला पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने सीएए का जिक्र करते हुए घुसपैठ पर लगाम, राज्य के विकास, कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के मुद्दों पर अपनी बात रखी है।

पीएम मोदी ने पत्र की शुरुआत 'जय मां काली!' के जयकारे के साथ की। उन्होंने लिखा कि अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जायेगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करता है।

'आमार शोनार बांग्ला' का सपने देखने वाला हर एक जवान, बूढ़ा और महिलाएं आज बहुत पीड़ा में हैं। उनकी पीड़ा से आज मेरा हृदय भी व्यथित है। इसलिए, मैंने मन की गहराइयों से एक संकल्प लिया है, पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध बनाने का संकल्प।

उन्होंने आगे लिखा- पिछले 11 वर्षों में देशवासियों के आशीर्वाद को ताकत बनाकर मेरी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। किसानों के कल्याण से लेकर युवाओं के सपनों को साकार करने तक, और मातृशक्ति के सशक्तिकरण से लेकर समाज के हर वर्ग तक, हमारी नीतियों और निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आज साफ दिखाई दे रहे हैं।

राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, आज पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग 'जन-धन योजना' के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत राज्य में 85 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है। जब राज्य की सत्ताधारी पार्टी गरीबों का निवाला छीन रही है, तब हमने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये का लोन देकर मदद का हाथ बढ़ाया है।

'अटल पेंशन योजना' के तहत 56 लाख वरिष्ठ नागरिकों को बुढ़ापे में आत्मनिर्भर बनाने का सौभाग्य मुझे मिला है।

खास-खबर

कार्य मंत्रणा समिति की बैठक का आयोजन

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के समिति कक्ष में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक धरम लाल कौशिक, विधायक धर्मजीत सिंह, विधायक अजय चंद्राकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बांगो परियोजना के लिए 8.34 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा जांजगीर-चांपा जिले के अंतर्गत हसदेव बांगो परियोजना की वितरक नहरों के कार्यों के लिए 8 करोड़ 34 लाख 54 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के प्रस्तावित कार्यों के होने पर रूपांकित सिंचाई क्षेत्र 2493 हेक्टेयर में 280 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हो जाएगी।

शादी के लिए रश्मिका-विजय पहुंचे ; 26 को लेंगे 7 फेरे

उदयपुर। साउथ इंडियन फिल्मों के एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना सोमवार को उदयपुर पहुंचे। यहां से सीधे होटल के लिए रवाना हो गए। 26 फरवरी को उदयपुर-नाथद्वारा हाईवे पर स्थित कैलाशपुरी मोमेंटोज होटल में दोनों सात फेरे लेंगे। होटल की बुकिंग 24 से 26 फरवरी तक के लिए हुई है। शादी में करीब 230 गेस्ट शमिल होंगे। मेहमान 24 फरवरी को होटल में चेक-इन करेंगे।

झुलसने लगा राजस्थान, पारा अभी से 34 पार

जयपुर। राजस्थान में इस बार होली के हुड़दंग के साथ-साथ पसीने छुड़ाने वाली गर्मी का सामना करने के लिए तैयार हो जाइए। पश्चिमी विक्षोभ की बेरुखी और बारिश की कमी ने प्रदेश के मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। आलम यह है कि मार्च के पहले सप्ताह में ही सूरज अपना रौद्र रूप दिखा सकता है। मौसम विभाग की मानें तो इस बार राजस्थान में गर्मी समय से पहले दस्तक दे रही है और मार्च की शुरुआत में ही पारा 38 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

सामूहिक प्रयत्नों और दृढ़ संकल्प से 2047 तक विकसित राज्य होगा छत्तीसगढ़ : राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के अष्टम सत्र को संबोधित करते हुए सभी को नए विधानसभा भवन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अंत्योदय है। सामूहिक प्रयत्न और संकल्प से निश्चित रूप से हम वर्ष 2047 तक विकसित राज्य का लक्ष्य प्राप्त करेंगे।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के स्वप्न को पूरा होते देखकर बहुत खुशी होती है। छत्तीसगढ़ में असीम संभावनाएं हैं। यहां की सरल, सहज और मेहनतकश जनता की बदौलत सरकार इन संभावनाओं को साकार कर रही है।

सरकार की प्रत्येक नीति की सोच आखिरी पंक्ति में खड़े नागरिक को लाभान्वित करना है। समावेशी विकास में

महिला सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी सोच के साथ इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि अनुदान, खाद्यान्नों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, उनके विपणन आदि के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

राज्यपाल रमेन डेका ने अभिभाषण में एक्सपोजर विजिट, 'दलहन बीज उत्पादन प्रोत्साहन योजना', 'अक्की बीज संवर्धन योजना', आदान सहायता राशि आदि का भी उल्लेख किया। खाद्य तेलों तथा कोदो और रागी जैसे मिलेट्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे किसान आत्मनिर्भर हो रहे हैं।

वनांचल की जैविक खेती का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने बताया कि आज प्रदेश में 38 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती हो रही है। छुईखदान पान की बेलों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पान अनुसंधान केंद्र आरंभ किया है।

उन्होंने पशुपालन और इस दिशा में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के प्रयासों का भी उल्लेख किया। राज्यपाल ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि योजना' के तहत 488 नवीन डेयरी समितियों का गठन किया गया है। दुग्ध उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मत्स्यपालन की दिशा में भी नवाचार हो रहे हैं तथा 2047 तक इसे देश में तीसरे स्थान तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

(विस्तृत समाचार पृष्ठ-4 पर)

बीसीसीआई ने छत्तीसगढ़ की तीन बेटियों का चयन वनडे के लिये किया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ से तीन बेटियों का चयन बीसीसीआई द्वारा 5 मार्च 2026 से बैंगलोर में सीनीयर वुमेंस इंटर जोनल वनडे ट्राफी 2026 के लिए किया गया है। प्रतियोगिता में नार्थ जाने, साउथ जोन, सेन्ट्रल जोन, नार्थ इस्ट जोन, वेस्ट जोन तथा ईस्ट जोन की टिमें हिस्सा ले रहीं है, जिनमें संपूर्ण भारत के चयनित खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

बीसीसीआई द्वारा सेन्ट्रल जोन की टीम में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ से 3 सदस्यों का चयन किया गया है। इस कृति गुप्ता बैटर तथा महक नरवसे ऑराउंडर का चयन खिलाड़ी के रूप में तथा शिवा कोठारी का चयन ट्रेनर के लिए किया गया है। 15 सदस्यीय टीम में नुजहत परवीन (कप्तान और विकेटकीपर), वामिका चौधरी (उपकप्तान), मुस्कान मलिक, संपदा दीक्षित, क्षिप्रा गिरी (विकेटकीपर), संगीता कुमावत, मीनू मणि, कृति गुप्ता, प्रेमा रावत, पूनम यादव, महक नरवासे, पूजा वस्त्रकार, सोनल कलाल, एस एल मीणा, कोमल जंजाद शामिल हैं।

सभी मैच 5 मार्च, 7 मार्च, 9 मार्च, 11 मार्च तथा 13 मार्च को खेले जाएंगे।

वायुसेना ने ग्राउंड किए 30 सिंगल सीट 'तेजस'

नई दिल्ली (ए.)। तेजस विमान से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया।

इससे पहले राजस्थान और दुबई में दो विमान क्रैश हो गए थे। तेजस विमान से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। इससे पहले राजस्थान और दुबई में दो विमान क्रैश हो गए थे।

भारतीय वायु सेना का हल्का लड़ाकू विमान तेजस लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया। शुरुआती जांच में ब्रेक

फेल होने की आशंका जताई जा रही है। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घटना 7 फरवरी की है। जानकारी अब सामने आई है।

विमान ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। लैंड करते ही पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की। जब ब्रेक नहीं लगा तो विमान रनवे से बाहर निकल गया। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। विमान को नुकसान पहुंचा है। हादसा किस एयरबेस पर हुआ, ये जानकारी सामने नहीं आई।

सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर वायु सेना की तरफसे कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

विधानसभा और लाल किले को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा भवन और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप के धमकी का ई-मेल भेजी गया है। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुईं, विधानसभा भवन की सर्चिंग की जा रही है। बम स्क्वाड और डॉग स्क्वॉड सर्च में जुटी हैं। फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी।

विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट किया पेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र की शुरुआत हो चुकी है। पहले दिन सदन में राज्यपाल का अभिभाषण हुआ। इसके बाद वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट भी पेश किया। 2026-27 का बजट कल 24 फरवरी को पेश किया जाएगा।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में अपनी सरकार के विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उनके मुताबिक रायपुर में 300 बेड वाला सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनेगा। ग्रामीण महिलाओं के लिए 137

महतारी सदन बन चुके हैं। जबकि 212 निर्माणाधीन है। पिछले दो सालों में 532 नक्सली न्यूट्रलाइज्ड किए जा चुके हैं। 2704 ने नक्सलियों ने सरेंडर किया है। 2004 गिरफ्तार किए गए हैं।

25 फरवरी को इस अभिभाषण पर चर्चा होगी। इस बीच वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की। बजट, वित्तीय वर्ष 2026-27 का, कल यानी 24 फरवरी को पेश किया जाएगा। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

कवासी भी नजर आए

लंबे समय तक जेल में रहने के बाद सदन पहुंचे पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने भाजपा नेताओं से गले मिलकर मुलाकात की। लंबे समय तक जेल में रहने के बाद सदन पहुंचे पूर्व मंत्री कवासी लखमा से भाजपा नेताओं ने भी गले लगाकर मुलाकात की।

अडानी-अंबानी के जिक्र पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली (ए.)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को एक वकील मैथ्यूज नेदुमपारा की एक बेवजह की टिप्पणी के लिए जमकर फटकार लगाई और यहां तक कि भविष्य के लिए सख्त चेतावनी भी दे डाली। सीजेआई ने नेदुमपारा से स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर उनका दुर्व्यवहार इसी तरह जारी रहा तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लाइवलॉ की रिपोर्ट के अनुसार सीजेआई सूर्यकांत तब वकील मैथ्यूज नेदुमपारा पर भड़क गए, जब उन्होंने यह कहा कि 'अडानी-अंबानी' के लिए तो संवैधानिक बेंच गठित की जाती है, लेकिन नेशनल जुडिशल अप्वाइंटमेंट कमीशन को चुनौती देने वाली याचिकाएं नहीं सुनी जा रही हैं। बता दें

कि मोदी सरकार ने न्यायपालिका में नियुक्तियों के लिए कॉलेजियम सिस्टम की जगह एनएसएजी लेकर आई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था।

दरअसल, मैथ्यूज नेदुमपारा सुप्रीम कोर्ट में मेंशनिंग राउंड के दौरान कॉलेजियम सिस्टम को चुनौती देने और नेशनल जुडिशल अप्वाइंटमेंट कमीशन की बहाली वाली एक याचिका का सुनवाई के लिए उल्लेख करना चाहते थे। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि रजिस्ट्री के पास ऐसी कोई याचिका नहीं है। इसपर नेदुमपारा ने कह दिया, 'अडानी और अंबानी के लिए संविधान पीठ गठित हो रहे हैं, लेकिन जो मामले आम लोगों को प्रभावित करते हैं, उन्हें नहीं सुना जा रहा।

इसी पर सीजेआई ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, 'मिस्टर नेदुमपारा, मेरे कोर्ट में आप जो कुछ भी कहते हैं, उसको लेकर सावधान रहिए। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं, होश में रहिए। आप ये मत समझिए कि आप दुर्व्यवहार करते रहेंगे, जैसा कि आप अन्य बेंचों में करते हैं। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं।'

मुस्लिम महिला से वापस ले लिया दिया हुआ कंबल

निवाई। टोंक के पूर्व बीजेपी सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने कंबल वितरण कार्यक्रम में मुस्लिम महिलाओं से कंबल वापस ले लिए। जौनापुरिया ने कहा-'जो मोदी को गाली देता है, उसे ये कंबल लेने का हक ही नहीं है। पूर्व सांसद कंबल बांट रहे थे तभी एक महिला से उसका नाम पूछा। सकुरान खान सुनते ही भड़क गए, कहा- हट एक तरफ, कंबल यहीं छोड़ दो। मामला निवाई क्षेत्र के करेड़ा बुजुर्ग गांव में स्थित सीताराम जी मंदिर परिसर में रविवार दोपहर 3:30 बजे का है।

मंत्री लक्ष्मी की पहल पर कल्याणपुर सलका मार्ग के 40.93 करोड़ स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से जिला सूरजपुर अंतर्गत कल्याणपुर-लटोरी-दतिमा-सलका (मुख्य जिला मार्ग) के विभिन्न खंडों में सड़क सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई

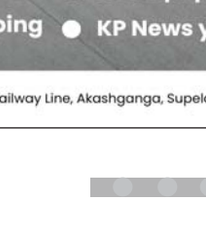

है। लगभग 29 किलोमीटर लंबाई में प्रस्तावित इस कार्य के लिए 40.93 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह मार्ग क्षेत्र के अनेक ग्रामों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिसके उन्नयन से आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं तीव्र होगा। इससे ग्रामीण अंचलों का जिला मुख्यालय एवं अन्य प्रमुख स्थलों से बेहतर संपर्क स्थापित होगा।

बालोद के बाद अब रायपुर में तंत्र-मंत्र, अस्थियां गायब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तंत्र मंत्र टोना टोटका का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। बालोद के बाद अब राजधानी रायपुर में ऐसी ही घटना सामने आई है। यहां अस्थि चुनने आए परिजनों को सिर की अस्थियां नहीं मिलीं। खोजबीन करने पर पास में ही तांत्रिक क्रिया के साक्ष्य मिले।

रायपुर के कबीर नगर थाना क्षेत्र स्थित जरवाय श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के बाद शव से छेड़छाड़ की गई। परिजन जब अस्थियां बटोरने पहुंचे तो उन्हें सिर का अवशेष गायब मिला। चिता के पास काला कपड़ा, नींबू और सिंदूर सहित कई सामान मिले हैं। जिसके बाद माना जा रहा है कि तांत्रिक क्रिया की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, 19 फरवरी को जरवाय निवासी शेखर यादव का निधन हो गया था। परिजनों ने जरवाय के श्मशान घाट में मृत का अंतिम संस्कार किया गया था। परिजनों ने बताया कि अंतिम संस्कार के तीसरे दिन जब पर अस्थियां लेने के लिए श्मशान घाट पहुंचे तो उन्हें सिर का हिस्सा नहीं मिला। सिर के अवशेष गायब होने से हड़कंप मच गया।

चिता के पास मिली लावारिस बाइक

परिजनों को श्मशान परिसर के अंदर एक लावारिस बाइक मिली है। परिजनों ने इस मामले की जानकारी पुलिस को दी है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अलग-अलग एंगल से इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

बालोद में भी सामने आया था मामला

इससे पहले छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में मासूम बच्ची की कब्र से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। यहां तीन वर्ष की मासूम बच्ची की कब्र के पास तंत्र-मंत्र किया गया था। कब्र के पास चावल, कटे हुए नींबू और कच्चे मांस का टुकड़ा मिला था। बच्ची के सिर का हिस्सा गायब था। जिसके बाद गांव में पुलिस बल तैनात किया गया था। ग्रामीणों का आरोप था कि कब्र के पास तांत्रिक क्रिया की गई है। पुलिस इस मामले की भी छानबीन कर रही है पर अब तक उसे कोई सुराग नहीं मिला है।

संपादकीय

कचरे का बोझ

नये नियमों का सख्ती से पालन जरूरी

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है।

> “ देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है।

दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुर्माना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों तथा नागरिक कल्याण संगठनों के बीच बेहतर तालमेल भी इस दिशा में कारगर भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास के साथ होने वाली उपभोग की वृद्धि और परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि होना स्वाभाविक ही है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा एक लाख करोड़ रुपये के निवेश से शहरी अवसंरचना में सुधार के लिये की गई पहल, सही दिशा में एक कदम है। हालांकि, यह एक हकीकत है कि नीति-निर्माताओं द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता दिए बिना भारत के शहर बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिये संघर्ष करते रहेंगे। ऐसे में ठोस कचरे से मुक्त भारत लक्ष्य महज एक सपना मात्र बनकर रह सकता है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक-सुनियोजित प्रयास दीर्घकाल में सार्थक साबित हो सकता है।

भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एआई की भूमिका

संजीव चोपड़ा

पिछले एक दशक के दौरान, भारत ने अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी खाद्य सुरक्षा संरचना का डिजिटलीकरण किया है। खरीद एवं भंडारण से लेकर परिवहन, वितरण और सब्सिडी के निपटारे तक, मूल्य श्रृंखला का हर चरण अब डिजिटल प्रणालियों द्वारा संचालित है। यह व्यवस्था निरंतर संचालन से जुड़े आंकड़े सृजित करने के साथ-साथ ही हर महीने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही है।

शासन संबंधी अगली चुनौती इस पारदर्शिता को प्रशासनिक जवाबदेही में बदलना है। सिर्फ दृश्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को पैटर्न की व्याख्या करने, जोखिमों को प्राथमिकता देने और समय पर प्रतिक्रिया देने में भी समर्थ होना चाहिए। इस बदलाव को देखते हुए, केन्द्र सरकार पूरी प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर रही है।

खरीद प्रक्रिया के दौरान, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को कुटाई के बाद आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता का आकलन टूटे हुए दानों के प्रतिशत, अशुद्धियों और रंग में बदलाव जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर दृश्य आधारित मूल्यांकन पर निर्भर करता है। बड़े पैमाने पर, मानवीय व्यक्तिपरकता के कारण नतीजे भिन्न हो सकते हैं। इसलिए, एआई से लैस स्वचालित अनाज विश्लेषक (एजीए) का उपयोग तस्वीर-आधारित विश्लेषण के जरिए इन मापदंडों का आकलन करने हेतु किया जा रहा है। माप को मानकीकृत और व्यक्तिपरकता को कम करके, ये प्रणालियां मौजूदा खरीद मानदंडों के भीतर काम करते हुए गुणवत्ता के सत्यापन में निरंतरता को बेहतर बना रही हैं।

एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी-आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरुआत की जा रही है। सेंसर तापमान, आर्द्रता, फॉस्फीन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को मापते हैं, जबकि एआई से लैस कंप्यूटर विजन टूल स्वचालित तरीके से बोरियों की गिनती और स्टॉक के सत्यापन में सहायता करते हैं। ये प्रणालियां माल-सूची (इन्वेंट्री) और पर्यावरणीय स्थितियों से संबंधित निरंतर आंकड़े सृजित करती हैं। डीएफ्मीडी के वेयरहाउस ग्रेडिंग प्लेटफॉर्म, डिपो दर्पण के साथ एकीकृत, इस आंकड़े का विश्लेषण प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स का उपयोग करके खराब होने के जोखिम, स्टॉक संबंधी विसंगतियों या अनुपालन की कमियों से जुड़े पैटर्न की पहचान करने हेतु किया जा सकता है ताकि शीघ्र और अपेक्षाकृत अधिक जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण से जुड़ी कार्रवाई संभव हो सके।

खाद्यान्नों की आवाजाही के दौरान, मार्ग अनुकूलन उपकरणों ('अन्न चक्र') का उपयोग करके जहां परिवहन की योजना बनाई जाती है, वहीं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस) ट्रक की आवाजाही से जुड़े वास्तविक समय में जीपीएस आधारित आंकड़े सृजित करते हैं। राज्यों ने मार्ग अनुकूलन के जरिए लगभग 238 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत की है।

मार्ग संबंधी योजना भले ही व्यवस्थित है, लेकिन राज्यों में हजारों यात्राओं की निगरानी करना परिचालन संबंधी चुनौतियां पेश करता है। आवागमन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने और बार-बार होने वाले मार्ग विचलन, असामान्य देरी या असामान्य ठहराव को चिह्नित करने के उद्देश्य से एआई-आधारित पैटर्न का पता लगाने और विसंगति की पहचान करने की योजना बनाई जा रही है। ये विश्लेषण निगरानी को मजबूत कर रहे हैं और परिवहन संचालन के अपेक्षाकृत अधिक केन्द्रित सत्यापन को संभव बना रहे हैं।

वितरण वाले चरण में, राज्यों द्वारा रखे गए लाभार्थियों के रिकॉर्ड को स्मार्ट-पीडीएस प्लेटफॉर्म के तहत समेकित किया जाता है। इससे राशन कार्डों का एक एकीकृत राष्ट्रीय भंडार तैयार होता है। यही नहीं, इससे राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के तहत संभावित रूप से अपात्र कार्डों की पहचान करने हेतु अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ सत्यता की पुष्टि (क्रॉस-वेरिफिकेशन) भी संभव हो पाती है। अब तक, इस तरह के सत्यापन के जरिए 8.51 करोड़ राशन कार्डों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 2.18 करोड़ कार्डों को राज्य सरकारों द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद हटा दिया गया है। हालांकि नामों, पतों, आधार सीडिंग और परिवार की संरचना में विसंगतियां बड़े पैमाने पर नियम-आधारित जांच की प्रभावशीलता को सीमित कर सकती हैं। संभावित नकल, संबंधित पहचानों या परिवारों के असामान्य पुनर्गठन की पहचान करने हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित आंकड़ों के मिलान की तकनीकों का उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले जोखिम संबंधी संकेत राज्यों द्वारा लक्षित सत्यापन में सहायता करेंगे, जिससे मौजूदा पात्रता संबंधी मानदंडों के भीतर सटीकता बेहतर होगी।

लाभार्थियों की शिकायतें सेवाओं की आपूर्ति और अनाज की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु कई साधन (ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर, व्हाट्सएप और आईवीआरएस सहित) मौजूद हैं, लेकिन शिकायतों की संख्या और भाषाई विविधता के कारण समय पर उनका निपटान और समाधान करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने अन्न सहायता होलिस्टिक एआई सॉल्यूशन (आशा) शुरू किया है, जो बहुभाषी वॉयस आउटरीच और एआई-आधारित विश्लेषण का उपयोग करके लाभार्थियों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया एकत्र करता है। स्वचालित वर्गीकरण और भावनाओं के विश्लेषण प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड तैयार करते हैं, जिससे प्राथमिकता के निर्धारण और प्रतिक्रिया में लगने वाले समय में सुधार होता है। आशा वर्तमान में प्रति माह लगभग 20 लाख लाभार्थियों तक पहुंचती है और पूरे देश में इसका विस्तार किया जा रहा है।

अंत में, राज्य सरकारें खरीद लागत घटकों से संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एनएफएसए के लिए सब्सिडी दावे (स्कैन) पोर्टल के जरिए सब्सिडी संबंधी दावों को प्रस्तुत करती हैं। प्रारूप और चेकलिस्ट भले ही मानकीकृत हैं, लेकिन अपूर्ण, बेमेल या अस्पष्ट दस्तावेज के कारण जांच और प्रतिपूर्ति में देरी हो सकती है। दस्तावेजों की प्रासंगिकता, डेटा की निरंतरता और अपलोड की स्पष्टता की पुष्टि करने हेतु एआई-आधारित दस्तावेज सत्यापन और गुणवत्ता मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। इससे बार-बार की पूछताछ कम होती है और दावों के निपटारे की प्रक्रिया में दक्षता और निरंतरता बेहतर होती है।

भारत की खाद्य सब्सिडी संरचना ने डिजिटलीकरण के जरिए पहले ही बर्बादी को कम कर दिया है। अगला बदलाव जवाबदेही में निहित है। खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और दावों के निपटान की प्रक्रिया में एआई को शामिल करके, यह प्रणाली जोखिमों का शीघ्र पता लगाने, त्रुटियों को तेजी से सुधारने और लाभार्थियों को उनका हक समय पर दिलाने में अधिक समर्थ हो जाती है। कुल 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इस कार्यक्रम में, अधिक जवाबदेही कोई मामूली सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा ढांचे की संरचनात्मक मजबूती का प्रतीक है।

(लेखक खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव हैं)

विनर माइंडसेट वाले लोग करो या मरो के कॉन्सेप्ट को बदलते हैं!

एन. रघुरामन

बचपन में टिम लिली ने अपने बेडरूम की दीवारों पर फ्लाइट मैग्जीनों से काटी गई तस्वीरें चिपका रखी थीं। 13 की आयु में उन्होंने अपना पहला फ्लाइट लेसन सीखा और 16 की आयु में उन्होंने अपनी पहली एकल उड़ान भरी।

उन्होंने सेना में, कॉम्बैट मिशन पायलट-इन-कमांड के रूप में सेवा दी। उन्होंने एक विशेष रूट पर सैकड़ों मर्तबा ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर उड़ाया था, यह जाने बिना कि उनके पुत्र सैम की उसी हेलीकॉप्टर से जुड़े एक हादसे में मृत्यु हो जाएगी और सैम को हादसे में हुई तमाम मौतों के लिए दोषी ठहराया जाएगा।

सैम (28)- जिनकी शादी 4 अक्टूबर 2025 को होने वाली थी- अमेरिकन एयरलाइंस 5342 के फर्स्ट ऑफिसर थे, जब 29 जनवरी 2025 को रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के निकट हवा में ही उसकी टक्कर एक ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर से हो गई। दोनों

एयरक्राफ्ट्स में सवार सभी 67 लोगों की मृत्यु हो गई। यह दो दशकों में अमेरिका की सबसे घातक एविएशन दुर्घटना थी। उस दिन के बाद से टिम और उनकी पत्नी शेरी संभवत: कई बार वह वीडियो देख चुके होंगे, जिसमें उनके पुत्र के जीवन के अंतिम क्षण प्रदर्शित थे।

इस दम्पती ने सैम को उसके तीन भाई-बहनों के साथ पाला-पोसा था। उड़ान से सैम का परिचय तब हुआ था, जब 10 वर्ष की आयु में वह अपने पिता के साथ दोपहर के भोजन के लिए बाहर गया था। टिम को लगता था कि सैम अपने काम में परफेक्ट था।

दुर्घटना के बाद टिम जांचकर्ता और एक्टिविस्ट की भूमिका में आ गए और दुर्घटना के संभावित कारणों पर सवाल उठाने लगे। कॉकपिट रिकॉर्डिंग की ट्रांसस्क्रिप्ट्स के आधार पर टिम और शेरी ने मीडिया को कई इंटरव्यू दिए। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, सैम ठीक उसी तरह उड़ान भर रहा था, जैसे उसे करना चाहिए था। दम्पती और यात्रियों के परिजनों के वॉट्सएप ग्रूप ने मुकदमों, बीमा संबंधी मुद्दों सहित कई विषयों पर संवाद शुरू किया। तब अचानक उन्हें 115 पृष्ठों का एक लॉ-स्यूट प्राप्त हुआ, जिसमें सैम और उनके सह-पायलट पर गंभीर गलतियां करने का आरोप लगाया गया था, जिनके चलते हादसा हुआ।

दम्पती ने स्वयं को असहाय हसूस किया, क्योंकि ताकतवर लोग एक मृत व्यक्ति पर जिम्मेदारी डालकर बचने की कोशिश कर रहे थे। टिम ने सोशल मीडिया पर अपना पक्ष रखते हुए लिखा, यह दावा बेबुनियाद है कि पायलट्स ने अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं निभाईं। मामले में दायर एक दस्तावेज में अमेरिकी सरकार ने हादसे के लिए अपनी गलती स्वीकार की और कहा कि हेलीकॉप्टर पायलट जेट से बचने में नाकाम रहे थे, किंतु साथ ही यह भी कहा कि अमेरिकन एयरलाइंस के पायलट भी सतर्कता दिखने में असफल रहे और सेना के हेलीकॉप्टर से बचाव नहीं कर सके।

इसके बाद उन्हें एक ईमेल मिला, जिसमें कहा गया कि कुछ परिजन उन्हें ग्रूप चैट से हटाना चाहते हैं। किंतु दम्पती ने हर मोर्चे पर संघर्ष किया। मामला नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के समक्ष पहुंचा, जो गंभीर दुर्घटनाओं की जांच करता है। नौ घंटे की रिपोर्टों और विचार-विमर्श के बाद एनटीएसबी ने निष्कर्ष निकाला कि दुर्घटना प्रणालीगत विफलताओं के कारण हुई, जिनके लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और सेना जिम्मेदार थे, न कि विमान पायलट।

एनटीएसबी ने कहा, फ्लाइट 5342 के क्रू ने हेलीकॉप्टर को तब तक नहीं देखा, जब तक टक्कर से बचना असंभव नहीं हो गया था। और साथ ही 50 अनुशंसित बदलावों की सूची जारी की, जिनमें एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रक्रियाओं में संशोधन से लेकर सेना के लिए नए प्रशिक्षण प्रोटोकॉल लागू करने तक के उपाय शामिल थे। कुछ लोगों के लिए शोक की प्रक्रिया निजी होती है, लेकिन टिम और शेरी जैसे विनर माइंडसेट वाले लोगों के लिए उनका शोक संवाद का माध्यम बना और अंतत: अपने पुत्र को उस आरोप से मुक्त कराना उनका लक्ष्य बन गया, जिसे उस पर थोपना अधिकारियों के लिए आसान था। फंडा यह है कि हम सभी एक साहसपूर्ण कॉन्सेप्ट को सुनते हुए बड़े हुए हैं- 'करो या मरो।' फिर एक व्यावहारिक पीढ़ी आई, जिसने इसे नए मायने दिए- 'मरने से पहले करो।' किंतु विनर माइंडसेट वाले लोगों ने इसे और निखारकर यह कर दिया है- 'जब तक करो नहीं, तब तक मरो नहीं।'

मुआवजे के अलावा हादसे के दोषी भी दंडित हों

सुरेश सेठ

सवाल है कि क्या आर्थिक मुआवजा किसी जीवन की क्षति की पूर्ति कर सकता है? स्पष्ट है कि सड़क सुरक्षा के साथ-साथ दंड प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि कानून का भय और न्याय का विश्वास दोनों कायम रह सकें।

देश के सड़क ढांचे का व्यापक विस्तार हुआ है और राजमार्गों का जाल तेजी से फैला है। संकरी और जर्जर सड़कों की जगह अब आधुनिक एवं चौड़ी सड़कों ने ले ली है, जिससे सड़क परिवहन व्यवसायियों और आम नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बन गया है। किन्तु इस विकास के साथ नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। शहरों की भीड़भाड़ से दूर बाइपास और खुली सड़कों पर वाहन चालक प्राय: लापरवाही से तेज गति में वाहन चलाते हैं। पर्याप्त निगरानी और यातायात नियंत्रण के अभाव में दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब चालक नशे की अवस्था में वाहन चलाते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन यात्रियों और राहगीरों के लिए जानलेवा साबित होते हैं। हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार एशिया में सपाट और चौड़ी सड़कों पर दुर्घटनाओं की दर चिंताजनक रूप से बढ़ी है। भले ही सड़क सुरक्षा बल की तैनानी और दुर्घटना में घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू की हो, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में अपेक्षित कमी नहीं आई है।

यदि किसी एक चालक की लापरवाही

से दूसरे चालक या राहगीर की मृत्यु हो जाती है, तो यह केवल दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाही से हुई मृत्यु का मामला है। ऐसे मामलों में दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। लेकिन अक्सर आर्थिक रूप से संपन्न लोग कई बार कानूनी प्रक्रियाओं में दखल या धनबल के सहारे राहत पा लेते हैं। भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 2(एक्स) में 'पीड़ित' की परिभाषा में कानूनी वारिसों को भी शामिल किया गया है। पूर्व में प्राय: ऐसा होता था कि मृतक के वारिस समझौते के तहत मुआवजा स्वीकार कर लेते थे और मामला आगे नहीं बढ़ता था।

फलस्वरूप, आर्थिक क्षतिपूर्ति को ही न्याय का विकल्प मान लिया जाता था। जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है, उसे प्रत्यक्ष न्याय तो नहीं मिल सकता; अत: उसके परिजनों को धनराशि देकर मामले का पटाक्षेप कर दिया जाता था। क्या केवल आर्थिक मुआवजा किसी जीवन की क्षति की पूर्ति कर सकता है? स्पष्ट है कि सड़क सुरक्षा के साथ-साथ दंड प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि कानून का भय और न्याय का विश्वास दोनों कायम रह सकें।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक याचिका पर फैसला दिया है कि सड़कों पर लापरवाही से वाहन चला कर दुर्घटना करने वाले माफी के हकदार नहीं। निस्संदेह, मृतक के आश्रितों को कुछ क्षतिपूर्ति मिलनी चाहिए लेकिन यहां तो मौत के जिम्मेदार को ही माफ होने लगी। अदालत ने इस अधिकार को रद्द कर दिया है। कुछ अभियुक्तों ने तर्क दिया कि वे केवल अनुबंध पर वाहन चला रहे थे, इसलिए सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी नहीं बल्कि वाहन स्वामी की है। इस पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दोष तय करना अदालत का कार्य है; यह साक्ष्यों के आधार पर ही निर्धारित होगा कि जिम्मेदार कौन है। यदि किसी वाहन स्वामी ने जर्जर वाहन सड़क पर उतारे हों और उनसे दुर्घटना हुई हो, तो जांच उसी अनुरूप की जाएगी।

स्पष्ट है कि अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय लापरवाही और तेज गति के कारण होती हैं। ऐसी मौतों की आपराधिक जवाबदेही केवल धन-लेनदेन के समझौते के आधार पर समाप्त नहीं की जा सकती। समझौते से एफआईआर रद्द करना तभी संभव है जब वास्तविक पीड़ित की शिकायत शेष न हो। पीड़ित के परिजनों के लिए न्याय सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है।

वर्तमान परिस्थितियों में कठोर दंड की संभावना प्राय: क्षीण प्रतीत होती है। दंड विधान में भी कानूनी छिद्र खोज लेने वाले सामने आ जाते हैं। 'तारीख पर तारीख' की प्रक्रिया लंबी होती रहती है और अभियुक्त जमानत पर बाहर आकर स्वयं को अपराध मुक्त समझने लगते हैं।

इसी व्यवस्था में आर्थिक रूप से संपन्न लोगों ने दुर्घटनाओं में अपनी लापरवाही से हुई मौतों के मामलों का समाधान भी अपने तरीके से निकाल लिया—मुआवजे और समझौतों के माध्यम से। न्याय का सिद्धांत यह है कि अपराधी को दंड मिले और पीड़ित परिवार को न्याय। किसी की मृत्यु के बदले केवल धनबल के आधार पर, वारिसों के हस्ताक्षरों से 'माफी' स्वीकार करवा लेना न्याय की भावना के विपरीत है। यह निर्णय न केवल विधि के शासन को सुदृढ़ करता है, बल्कि लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभ—न्यायपालिका—की गरिमा और प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। इसे स्वीकार और लागू करना ही न्यायपूर्ण समाज की दिशा में एक आवश्यक कदम होगा। इसके अतिरिक्त, प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि सड़कें वर्षों तक मरम्मत की प्रतीक्षा में जर्जर न पड़ी रहें। दुर्घटना-प्रवण ब्लैक स्पॉट्स को शीघ्र सुधारा जाए, चेतावनी संकेत स्पष्ट और बड़े अक्षरों में लगाए जाएँ तथा रात्रि में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम हो।

लेखक साहित्यकार हैं।

हिंदी और जेएनयू

गोपाल प्रधान

जेएनयू से हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर करने वालों का अनुभव शोध करने आये लोगों से अलग होता है। मेरा प्रवेश बतौर शोधार्थी 1989 में हुआ। इससे लगभग छह माह पहले दर्शनशास्त्र के शोधार्थी गोरख पांडे ने आत्मघात कर लिया था। बड़े भाई अवधेश प्रधान उनके घनिष्ठ थे इसलिए मेरे दिल्ली आने से थोड़ा आशंकित थे। बाद में देखा पूरे जेएनयू में केवल हिंदी के ही विद्यार्थी अपने अध्यापकों के पांव छूते हैं। इसके अलावा देखा कि मौखिकी परीक्षा में शोधार्थी मिठाई का बंदोबस्त करते थे।

एक और बात बहुत अखरी कि हिंदी के विद्यार्थी जेएनयू के सामाजिक जीवन की मुख्य घटना अर्थात छात्र संघ चुनावों में मतदान तो करते हैं लेकिन उम्मीदवार नहीं होते। हमारे अध्यापक भी अध्यापक संघ में किसी पद पर नहीं होते थे। जेएनयू में छात्र संघ के चुनाव अब भी उत्सव की तरह होते हैं। इन चुनावों में हमारे सहपाठी जयप्रकाश लीलवान प्रत्याशी के बतौर खड़े हुए थे लेकिन उससे भी हिंदी के विद्यार्थियों का अलगाव नहीं टूटा। प्रवेश के कुछ ही दिन बाद ये चुनाव होते हैं। वर्ष 1989 के चुनाव थे। उसी दौरान की सभाओं से पता चला कि अब तक के हिंदी से जगदीश्वर चतुर्वेदी एकमात्र छात्र संघ अध्यक्ष रहे थे। हम हिंदी के विद्यार्थी जनेवि के जीवन के इस सर्वाधिक जीवंत मौके से कटे अपने भीतर ही सिमटे रहते। ऐसे में हमारे वरिष्ठ शम्भुनाथ सिंह ने जो अब कुलपति हैं अपने कावेरी छात्रावास में हिंदी के विद्यार्थियों की बातचीत का सिलसिला शुरू किया तो उसमें जाने लगा। अध्ययन शुरू हुआ तो देखा कि अध्यापक तो बहुत कम हैं लेकिन उनका जलवा बहुत है। जेएनयू की कई बातें हैं। केदार जी को जब साहित्य अकादमी मिला तो हम सबने उनकी कविताओं का पाठ उनकी मौजूदगी में किया। मैनेजर जी ने व्याख्यान दिया। इन अध्यापकों और जेएनयू के समूचे माहौल के कारण हिंदी के विद्यार्थियों को समाज विज्ञान के विद्यार्थियों के सामने भी आत्मविश्वास से बोलने का साहस मिला था।

जेएनयू से प्रतिदिन साहित्य अकादमी के लिए बस जाती थी। इतिहास के विद्यार्थी तीन मूर्ति जाया करते थे। छात्रावासों में सभी विषयों के विद्यार्थी रहते और भोजनालय में एक साथ खाते थे। खाते समय विभिन्न छात्र संगठनों की ओर से जारी परचों को पढ़ते और उन पर बहस करते। इस माहौल ने किसी विद्यार्थी को अपने ही विषय तक सीमित नहीं रहने दिया। जेएनयू के इसी माहौल ने ऐसा कर दिया कि देश के किसी भी कोने में प्रशासन, पत्रकारिता और अध्यापकों की दुनिया में कोई न कोई मिल जाता है।

साभार : गोपाल प्रधान डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

औद्योगिक क्षेत्र में बुद्ध व अम्बेडकर की प्रतिमाओं का अनावरण

भिलाई। शहर के हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र स्थित डॉ बाबा साहेब बुद्धिस्ट सांस्कृतिक समिति धम्म भूमि में शनिवार 21 फरवरी को भगवान बुद्ध और डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का भंते डॉक्टर वेनरेबल शील रत्न बोधि ने अनावरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीएसपी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ उदय कुमार ने इसे एक अनुकरणीय पहल बताया। उल्लेखनीय है कि दानवीर आयुष्मान अशोक धवले ने अपने जन्मदिन पर यह दो प्रतिमाएं दान कर उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। उन्होंने यहां महाकारुणिक तथागत भगवान गौतम बुद्ध की धम्म मार्ग पर चल रही 6 फुट से ऊंची प्रतिमा दान कर स्थापित की और विश्व रत्न डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा भी स्थापित करवाई है। आयोजन में मुख्य संरक्षक सुनील रामटेके,संरक्षक एल. उमाकांत, विनोद वासनिक, राजेश बंजारी, वर्षा बागडे, नरेंद्र शेन्डे, प्रमुख संरक्षक अशोक धवले, अध्यक्ष वीरेन्द्र नागदेव, राजेश कांबले ,धम्म सेवक संदीप चौरे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाजजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर त्रिशरण पंचशील और बुद्ध वंदना का पाठ के साथ प्रतिमाओं का अनावरण किया गया।

सेल वालीबॉल चैंपियनशिप हेतु भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम घोषित

भिलाई। दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वारा दिनांक 24 से 27 फरवरी 2026 तक दुर्गापुर में सेल वालीबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में सेल कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध विभिन्न इस्पात संयंत्रों की टीमें भाग लेंगी। भिलाई इस्पात संयंत्र की वालीबॉल टीम भी प्रतियोगिता में सहभागिता कर रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु भिलाई इस्पात संयंत्र की वालीबॉल टीम की औपचारिक घोषणा वॉलीबॉल क्लब के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ विभाग) विष्णु पाठक, उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद तथा उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक द्वारा की गई। इस अवसर पर अधिकारियों ने टीम का परिचय कराते हुए चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के डी.पी. सिंह को टीम के कप्तान के रूप में नियुक्त किया गया है वहीं टीम के अन्य सदस्यों में भिलाई इस्पात संयंत्र से ख्वाजा अहमद, पी. मनोज, लल्लन, जी. चंदन तथा राजहरा माइंस पी.के. पाटले, लक्ष्मी नारायण, राजकुमार, एस.पी. यादव एवं देवी लाल शामिल हैं। खिलाड़ियों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं रणनीतिक सहयोग प्रदान करेंगे। उपस्थित सभी अधिकारियों ने टीम को सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में समर्पण, अनुशासन एवं टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

18 माह में तैयार होगा नालंदा परिसर, गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, महापौर बाघमार का निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत मालवीय नगर स्थित नालंदा परिसर का महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्रकार, सहायक अभियंता राजेन्द्र धाबाले,उप अभियंता हरिशंकर साहू के साथ औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान स्थल पर मौजूद अधिकारियों और इंजीनियरों से कार्य की वर्तमान स्थिति,तकनीकी गुणवत्ता, लागत तथा निर्धारित समय-सीमा को लेकर विस्तार से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य की प्रगति सुनिश्चित की जाए और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। 18 माह की तय समय-सीमा, देरी पर होगी जवाबदेही तय महापौर ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि नालंदा परिसर का निर्माण कार्य आगामी 18 माह के भीतर हर हाल में पूर्ण किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-सीमा में देरी होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति दोनों आवश्यक हैं।युवाओं के लिए आधुनिक अध्ययन केंद्र बनेगा नालंदा परिसर उन्होंने कहा कि नालंदा परिसर शहर के विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक आधुनिक एवं सुव्यवस्थित अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

10307 परीक्षार्थियों के लिए बनाए गए थे 25 परीक्षा केन्द्र

कलेक्टर ने किया परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2025 की परीक्षा रविवार 22 फरवरी को दुर्ग, भिलाई नगर के 25 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की गई। 10307 परीक्षार्थियों के लिए दो पालियों (क्रमशः सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक और अपरान्ह 3 बजे से शाम 5 बजे तक) में परीक्षा आयोजित की गई।

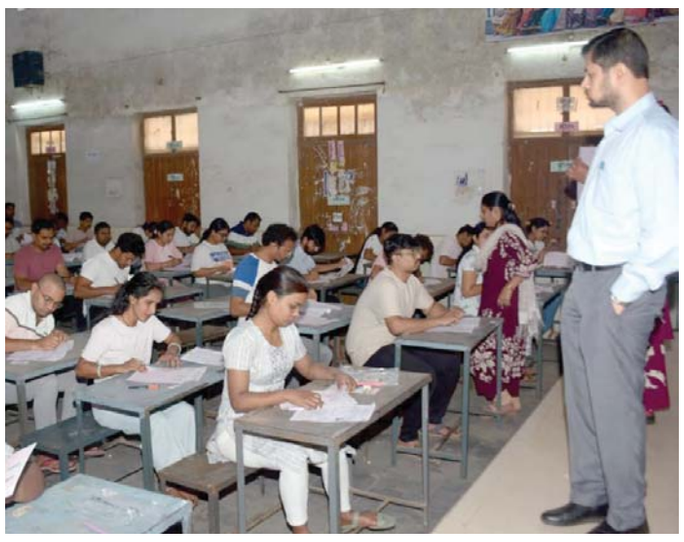

कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने उक्त परीक्षा के प्रथम पाली में परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0503 उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज दुर्ग, परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0504 शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या पीजी कालेज दुर्ग, परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0505 सेजेस जेआरडी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग, परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0523 आमदी नगर विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल हुडको भिलाई और परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0525 भिलाई महिला महाविद्यालय सेक्टर 9 भिलाई का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्राध्यक्ष को लोक सेवा आयोग के मार्गदर्शी निर्देशों का पालन करते हुए बेहतर ढंग से परीक्षा संचालित करने निर्देशित किया। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा कक्ष एवं परीक्षार्थियों की संख्या, प्रकाश, इमरजेंसी लाईट, पेयजल, वाशरूम, परीक्षा कक्ष प्रवेश पूर्व परीक्षार्थियों की चेकिंग, परीक्षा कक्ष में प्रवेश पत्र के साथ वीडियोग्राफी आदि के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर ने केन्द्र को उपलब्ध प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिका सीट की भी जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा समाप्ति पश्चात बरते जानी वाले सावधानियां पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने के निर्देश केन्द्राध्यक्ष को दिए। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों के लिए नियुक्त सभी अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

नेत्रहीन नेहा भी बनेगी अफसर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार 22 फरवरी को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 आयोजित की गई। दुर्ग/भिलाई के विभिन्न 25 परीक्षा केंद्रों में प्रतिभागी परीक्षार्थी सम्मिलित हुये। इन्हीं में से एक नेहा यमराज भी है जो नेत्रहीन होने के बावजूद अपने बुलंद हौसले के साथ परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0505 सेजेस जेआरडी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग पीएससी प्रारंभिक परीक्षा देने पहुंची थी। अपनी मेहनत से अधिकारी बनने की ख्वाइस रखने वाली नेहा के लिए जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्र में पृथक कक्ष व लेखन कार्य हेतु सहयोगी की व्यवस्था की गई है। उक्त कार्य में काजल बंजारे जो 11वीं की छात्रा है, नेहा को सहयोग करेगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने नेहा को शुभकामनाएं दी। उन्होंने केन्द्राध्यक्ष को कक्ष में प्रकाश, पेयजल एवं इमरजेंसी लाइट प्रबंध करने निर्देशित किया।

स्वास्थ्य कर्मियों ने बजट में मांगा दुर्ग के लिए 'जेडी' सेटअप

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने दुर्ग संभाग में बजट सत्र में संयुक्त संचालक (जेडी) स्वास्थ्य सेवाओं के सेट-अप को स्वीकृति प्रदान करने की मांग रखी है। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मुख्य सचिव विकासशील व स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया को भेजे ज्ञापन में कहा कि सभी संभागों में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाओं का सम्पूर्ण सेट-अप स्वीकृत है। दुर्ग संभाग बनने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के जे डी दफ्तर की स्वीकृति अभी तक नहीं मिली है जबकि शिक्षा विभाग, राजस्व, पेंशन लेखा कोष , संयुक्त संचालक वेटरनरी, पशुपालन का कार्यालय खुल चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा, कवर्धा, मोहल्ला मानपुर, खैरागढ़ छुईखदान गंडई,बालोद व राजनांदगांव को लेकर दुर्ग संभाग का गठन किया गया है।

सभी विभागों ने अपने संभागीय संयुक्त संचालक का कार्यालय का सेटअप दे दिया है और उनके कार्यकाल भी संचालित है। इसके विपरीत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े दुर्ग संभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की विभिन्न समस्या के लिए अभी भी रायपुर कार्यालय के अधीन रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सेट-अप को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर पदोन्नति, विभागीय समस्याओं और अन्य का समाधान आसानी से होगा। कर्मचारियों को दूरी भी कम तय करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में पूर्व में ज्ञापन सौंपा गया था। इस वित्तीय वर्ष में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाओं के कार्यालय सेट-अप स्वीकृति के लिए शिक्षा मंत्री व ग्रामोद्योग विधि विधाई मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल और दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, डोमन लाल कोर्सेवाडा तथा वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ज्ञापन देकर कार्यालय खोले जाने और सेट-अप स्वीकृत करने मांग कर चुके हैं। महामंत्री सैयद असलम ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का जे डी कार्यालय दुर्ग में नहीं है। अभी कर्मियों को रायपुर जाना होता है। दुर्ग संयुक्त संचालक स्वास्थ्य (जेडी) कार्यालय खुलने से कामकाज विकेंद्रीकृत होगा। 8 जिलों की स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा आसानी होगी।

बूंद में समुद्र है डॉ.शर्मा की कृति गागर में सागरत्न मिश्र

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा की पुस्तकें छत्तीसगढ़ के बाहर भी लोकप्रिय हैं। महर्षि अगस्त्य वैदिक संस्थानम् भोपाल के अध्यक्ष आचार्य पं.प्रभुदयाल मिश्र ने आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा की पुस्तक गागर में सागर की सराहना करते हुवे उसे बूंद में समुद्र कहा है।

उनके अनुसार इस किताब में भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्त्वपूर्ण विषयों को भी पृष्ठभूमि में रखा गया है। ज्ञान-विज्ञान के शीर्ष संकेतकों से युक्त डा.शर्मा की यह कृति एक ज्ञान मंजूषा भी कही जा सकती है। उन्होंने वेद, उपनिषद , रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता, बिदुरनीति, चाणक्य नीति और संस्कृत महाकाव्यों से चुनिन्दा श्लोकों की रोचक और ज्ञानवर्धक व्याख्यायें की हैं। पाठक को सही दिशा भी मिलती है।

आचार्य पं.प्रभुदयाल मिश्र ने आगे कहा कि लेखक की ज्ञान निष्ठा की यह पहचान है कि उनकी इस पुस्तक की विषय वस्तु छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के लोकप्रिय समाचार पत्रों में लगातार प्रकाशित होती रही। बड़े - बड़े और गम्भीर विषयों के भी लेखक ने सरल- संक्षिप्त लिखकर भी पाठकों को पढ़ने हेतु सुविधा प्रदान की है। देश-विदेश के अनेक सफल सांस्कृतिक, शैक्षणिक और साहित्यिक भ्रमण कर चुके डॉ.शर्मा का अनुभव उनकी इस कृति में भी स्पष्ट दिखाई देता है। ज्ञान की विविधता और व्यावहारिकता देखते ही बनती हैं।

आचार्य पं.प्रभुदयाल मिश्र के अनुसार ये किताब बिंदु में सिन्धु भी कही जा सकती है।

छात्राओं के लिए विशाल स्वास्थ्य परीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर की ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के सेवा एवं रचनात्मक कार्यों के अंतर्गत आदिवासी विभाग के विज्ञान विकास केंद्र के छात्रावास में छात्राओं के लिए एक विशाल स्वास्थ्य परीक्षण एवं मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 350 छात्राओं ने निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच का लाभ लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर रहे, जबकि अध्यक्षता सिविल सर्जन सह अधीक्षक जिला चिकित्सालय दुर्ग के डॉ. ए.के. मिंज ने की।

शिविर में नगर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें डॉ. अनिल विवेक सिन्हा (मेडिसिन), डॉ. मानसी गुलाटी (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. मीना शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ), होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. अभिषेक खरे एवं डॉ. अंकिता खरे, दंत चिकित्सकीय सेवाएं प्रमुख रहीं। इसके अतिरिक्त सिकल सेल एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण के लिए पीएचसी पोटिया के तकनीशियनों द्वारा विशेष जांच की गई। विज्ञान विकास केंद्र की प्रशासनिक अधिकारी उर्मिला ओझा एवं उनके समस्त स्टाफ की आयोजन में उल्लेखनीय भूमिका रही। वहीं समिति की ओर से अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सचिव दिलीप ठाकुर, ज्ञानेश ताम्रकार, बी.पी. पांडे, आर.के. तिवारी, हरिश्चंद्र ठाकुर, रमेश साहू, नीलू सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वास्थ्य शिविर में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए विधायक ललित चंद्राकर द्वारा सिविल सर्जन डॉ. ए.के. मिंज, समिति अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सचिव दिलीप ठाकुर, रमेश साहू, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलू सिंह सहित चिकित्सक डॉ. मानसी गुलाटी, डॉ. मीना शर्मा, डॉ. अनिल विवेक सिन्हा, डॉ. अभिषेक खरे एवं डॉ. अंकिता खरे को सम्मानित किया गया।

वहीं सिकल सेल एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण में योगदान देने वाले तकनीशियनों को डॉ. ए.के. मिंज द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

जनसंवाद में निर्णय : बीएसपी के विरोध में 22 को पैदल मार्च

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में हाउस लीज और रिटायर्ड कर्मचारियों के परमानेंट सेटलमेंट को लेकर भिलाई नहीं बिकने देंगे को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को सेक्टर 2 स्थित शक्ति सदन में जन संवाद हुआ, जहां भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि बीएसपी प्रबंधन ने दो माह बाद भी हाउसलीज और रिटेंशन स्कीम की दरों में वृद्धि से संबंधित आदेश को वापस नहीं लिया है।

प्रबंधन द्वारा लीज एवं रिटेंशन के तहत आवंटित आवास को लटकाया जा रहा है। जबकि दिसंबर में प्रबंधन ने 15 दिनों के अंदर हाउस लीज एवं रिटेंशन स्कीम की बढ़ी हुई किराए की दर पर उचित निर्णय लेने की बात कही थी, लेकिन अब तक प्रबंधन कोई निर्णय नहीं लिया है। इसलिए आंदोलन को वार्ड दौरे से आगे बढ़ाते हुए पैदल मार्च करने का निर्णय लिया गया है और पदयात्रा 22 मार्च को सिविक सेटर से प्रारंभ होगी और सेंट्रल एवेन्यू होते हुए भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 मैदान पहुंचेगी। जहां पदयात्रा को विराम दिया जाएगा।

संवाद कार्यक्रम में बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी, लीज और रिटेशनधारियों ने कहा कि आवास के किराए की दर में 24 रुपए प्रति वर्गफीट की दर से अमानवीय वृद्धि की गई है।

उन्होंने मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पेयजल की आपूर्ति की समस्याएं रखी। आंदोलन को जारी रखने और बढ़ा हुआ किराया की राशि नहीं देने पर जोर दिया। वहीं सीनियर सिटीजन ने सेक्टर 9 चिकित्सालय में इलाज और उपचार के दौरान होने वाली परेशानी से अवगत कराया। संवाद कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, लक्ष्मीपति राजू, पार्षद नोमिन मौजूद थे।

बीएमडीसी में आईएसओ मानकों पर आधारित चार दिवसीय आईएमएस प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के व्यावसायिक उत्कृष्टता विभाग द्वारा संयंत्र के विभिन्न विभागों में नवीन आंतरिक लेखा परीक्षकों के विकास हेतु 17 से 20 फरवरी 2026 तक बीएमडीसी, सेक्टर-7, भिलाई में चार दिवसीय आईएमएस (इंटिग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम) आंतरिक लेखा परीक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से आईएसओ 9001:2015 , आईएसओ 14001:2015 तथा आईएसओ 45001:2018 के अंतर्गत ऑडिट आवश्यकताओं की व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों को एकीकृत प्रबंधन प्रणाली ढांचे के अनुरूप प्रभावी आंतरिक लेखा परीक्षा के लिए सक्षम बनाना था। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कुल 25 अधिकारियों ने सहभागिता की। मेसर्स टीयूवी इंडिया प्रा. लि. के अनुभवी एवं मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ शलभ कपूर द्वारा किया गया, जिन्हें लेखा परीक्षा एवं प्रशिक्षण में लगभग 50 वर्षों का समृद्ध व्यावसायिक अनुभव प्राप्त है। मेसर्स टीयूवी इंडिया प्रा. लि. द्वारा प्रमाणित आईएमएस आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। 17 फरवरी 2026 को प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष शिवराजन ने उद्बोधन में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का प्रभावी उपयोग करते हुए परिचालन दक्षता में वृद्धि तथा व्यावसायिक विकास जैसे लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रेरित किया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

विधानसभा के लिए कांग्रेस ने नियुक्त किया उपनेता प्रतिपक्ष

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए उपनेता प्रतिपक्ष और सचेतकों (व्हिप) की नियुक्ति कर दी है। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल को उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। वहीं विधायक दलेश्वर साहू को विधानसभा में मुख्य सचेतक (व्हिप) नियुक्त किया गया है। वहीं, विधायक दिलीप लहरिया को उप सचेतक नियुक्त किया गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में लंबे समय से उपनेता प्रतिपक्ष का पद खाली था। अब आखिरकार पार्टी ने इनकी नियुक्ति कर दी है। लखेश्वर बघेल बस्तर में एक बड़े कांग्रेस नेता माने जाते हैं। बस्तर विधानसभा से वे लगातार तीसरी बार विधायक हैं। इस नियुक्ति पर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधायक दल में नियुक्तियों का स्वागत करता हूं। विधानसभा में जनता की आवाज को और बुलंदी देने नई टीम तैयार है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल का आभार जताया है।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बने डॉ. अरविंद तिवारी

गरियाबंद। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यालय द्वारा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं सह-संयोजकों की घोषणा की गई है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से जारी सूची के अनुसार गरियाबंध जिले में डॉ. अरविंद नाथ तिवारी को चिकित्सा प्रकोष्ठ का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। डॉ. अरविंद नाथ तिवारी की नियुक्ति से जिले के चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों में उत्साह का माहौल है। संगठन ने उनके अनुभव, सेवा भावना और सामाजिक सक्रियता को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ. तिवारी लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज की सेवा करते आ रहे हैं। वे विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी नियुक्ति से चिकित्सा प्रकोष्ठ के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है। नवनियुक्त जिला संयोजक डॉ. अरविंद नाथ तिवारी ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के अनुरूप स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवा कार्यों को गति देंगे।

बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभा भवन में किया गया। यह कार्यशाला विशेष रूप से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स के लिए आयोजित की गई थी। जिले के विभिन्न विकासखंडों से प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था और प्रशिक्षण का मुख्य फोकस इन्हीं पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। प्रशिक्षण मुख्य रूप से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स को प्रदान किया गया, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बाल विवाह की रोकथाम, बाल संरक्षण मामलों की पहचान तथा आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से समझकर जागरूकता एवं सहयोग की भूमिका निभा सकें।

27 दिनों तक चिकित्सकों की देखभाल से नन्हीं जान को मिला नया जीवन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी विजन के अनुरूप प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार हो रहा है, जिससे अब जिला मुख्यालयों पर ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रहे हैं।

इसी का जीवंत उदाहरण जिला अस्पताल कोंडागांव की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू) में देखने को मिला, जहां एक गंभीर नवजात शिशु को नया जीवन मिला है। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के सतत निर्देशन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रेमलाल मंडावी के नेतृत्व में जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सशक्त किया जा रहा है। आवश्यक संसाधनों, जीवन रक्षक उपकरणों एवं दवाइयों की उपलब्धता तथा नियमित मॉनिटरिंग के कारण आज एसएनसीयू दूरस्थ अंचलों के लिए आशा की किरण बन चुकी है। ग्राम राकसबेड़ा, विकासखंड माकड़ी निवासी बो सुखदई मरकाम एवं चैतराम मरकाम के नवजात शिशु का जन्म 18 दिसंबर 2025 को शाम 5:28 बजे हुआ। जन्म के तुरंत बाद शिशु की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। 20 दिसंबर 2025 को शिशु को एसएनसीयू में भर्ती किया गया। जन्म के समय शिशु का वजन 2.70 किलोग्राम था तथा वह बर्थ एस्फिक्सिया, लगातार दौरे और संक्रमण जैसी जटिल समस्याओं से जूझ रहा था। गर्भावस्था के दौरान माता में गंभीर ओलिगोहाइड्रामि्नयोस की स्थिति भी पाई गई थी।

देश के प्रत्येक व्यक्ति को जनजातीय इतिहास को जानना चाहिए: चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने नवा रायपुर में बने देश का पहला डिजिटल संग्रहालय का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट के चीफजस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राजधानी नवा रायपुर के आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में बने देश के पहले डिजिटल संग्रहालय का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का यह जनजातीय संग्रहालय अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को जनजातीय इतिहास और संस्कृति से वाकिफहोना चाहिए।

चीफ जस्टिस ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अंदोलनों और शौर्य गाथाओं पर संग्रहालय में बने प्रत्येक गैलरी को निकट से देखा। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में जनजातीय आंदोलनों की स्मृतियां लोगों को शोषण एवं अन्याय के खिलाफ एक जुट होने और उसका प्रतिकार करने के लिए प्रेरित करेंगी।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने जनजातीय संग्रहालय के अवलोकन के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत सहित अन्य न्यायधीश गणों को जनजातीय विद्रोहों की पृष्ठिभूमि और जनजातीय नायकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री बोरा ने संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में प्रदर्शित विद्रोहों को साल, साजा और महुआ के प्रतिकात्मक वृक्ष के पत्तों के जरिये समझाने का प्रयास किया गया है। संग्रहालय में बने यह वृक्ष उसी तरह से है जिस तरह से मोशन फिल्मों में एक वृद्ध व्यक्ति फिल्म की कहानी बताते है।

चीफ जस्टिस श्री सूर्यकांत ने जनजातीय संग्रहालय में प्रदर्शित भूमकाल विद्रोह के बारे में जानकर काफी प्रभावित हुए। यह विद्रोह बस्तर क्षेत्र के चित्रकोट के आस-पास वर्ष 1910 में हुआ था। यह विद्रोह 20 वर्षीय जननायक गुंडाधुर के नेतृत्व में, औपनिवेशिक वन नीतियों, जमींदारों के शोषण और बाहरी हस्तक्षेप के विरूद्ध था, जिसमें आदिवासियों ने पारंपरिक हथियारों से अंग्रेजों के खिलाफ किया था। चीफजस्टिस ने संग्रहालय में शहीद वीर नारायण सिंह की तलवार सहित अन्य जनजातीय नायकों द्वारा विद्रोह के दौरान उपयोग में लाए गए अस्त्र-शस्त्र का भी अवलोकन किया।

चीफजस्टिस ने गैलरी में स्थापित मां दंतेश्वरी का प्रतिकात्मक डिजिटल मंदिर से काफी प्रभावित हुए उन्होंने दो बार घंटी बजाकर मां दंतेश्वरी के दर्शन किया। उन्होंने आगामी समय बस्तर (दंतेवाड़ा) जाकर मां दंतेश्वरी की साक्षात दर्शन करने की इच्छा जाहिर की।

उल्लेखीनय है कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव रजत जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 01 नवबंर 2025 को इस भव्य डिजिटल संग्रहालय को लोगों को समर्पित किया था। तब से आगुन्तकों के लिए यह संग्रहालय आर्कषण एवं उत्साह का केंद्र बना हुआ है। जनसमुदाय में इस संग्रहालय के प्रति आकर्षण और लोकप्रियता को देखते हुए इसके द्वितीय चरण के विस्तार की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

गौरतलब है कि आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी के मार्गदर्शन में जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित म्यूजियम तथा सहित वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी म्यूजियम का निर्माण तेजी के साथ पूरा हुआ है। मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर निर्माण से उद्घाटन तक विभाग के अधिकारी-कर्मचारी श्री बोरा के नेतृत्व में बारीकी से एक-एक पहलुओं को परखा तब जाकर संग्रहालय का बुनियाद बनकर तैयार हुआ है। संग्रहालय का धरातल में आने से नई पीढ़ियों को अपने पुरखों की वीरता और साहस का याद दिलाता रहेगा। यह न केवल जनजातीय वर्गो के बल्कि सभी लोगों के प्रेरणापद है।

मुख्यमंत्री साय के जन्मदिन पर प्रदेशभर में उत्साह, नमो लोढ़ा ने दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन के अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ में उत्साह और हर्ष का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर समाजसेवी एवं भाजपा युवा नमो लोढ़ा ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके दीर्घायु, स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना की।

नमो लोढ़ा ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का व्यक्तित्व सरलता, सौम्यता और दृढ़ नेतृत्व क्षमता का अद्भुत संगम है। उन्होंने आदिवासी समाज की अस्मिता, छत्तीसगढ़ की संस्कृति और प्रदेश के समग्र विकास को नई दिशा देने का कार्य किया है। उनके नेतृत्व में राज्य विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय सदैव जनभावनाओं के संवाहक रहे हैं। गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और विकास की जो नई परंपरा स्थापित हुई है, वह उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है।

नमो लोढ़ा ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री का जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा का प्रतीक है। वे निरंतर प्रदेश की जनता के हित में कार्य कर रहे हैं और छत्तीसगढ़ को एक मजबूत, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध राज्य बनाने के लिए संकल्पित हैं। उनका जनसंपर्क, सहज व्यवहार और कार्यशैली उन्हें जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाती है। जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं समर्थकों द्वारा केक काटकर, मिठाई बांटकर तथा सेवा कार्यों के माध्यम से खुशी व्यक्त की गई। लोगों ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रदेश के विकास पथ पर निरंतर आगे बढ़ने का विश्वास व्यक्त किया।

अंत में नमो लोढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है और आने वाले समय में प्रदेश नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने एक बार पुन: मुख्यमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनका नेतृत्व प्रदेश के लिए प्रेरणादायक और मार्गदर्शक है।

खनिज प्रभावित वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा-स्वास्थ्य ढांचे को मिलेगा नया आधार -कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। रायगढ़ जिले के खनिज उत्खनन प्रभावित धरमजयगढ़ विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा ठोस पहल की जा रही है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने वनांचल ग्राम पुरुंगा एवं खड़गांव का दौरा कर आदिमजाति विकास विभाग द्वारा संचालित शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास भवनों की जर्जर स्थिति का निरीक्षण किया तथा इनके स्थान पर नवीन भवन निर्माण के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। एक आंकलन के अनुसार डीएमएफ (जिला खनिज न्यास निधि) मद से प्रत्येक छात्रावास भवन के निर्माण के लिए लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपए की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि तकनीकी टीम द्वारा वर्तमान भवनों का विस्तृत परीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत आवश्यक तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने संबंधित संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि नए भवन निर्माण तक छात्राओं के सुरक्षित एवं सुचारू संचालन के लिए वैकल्पिक भवन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावासों में अध्ययन के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बच्चों की रुचि के अनुरूप खेल सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही छात्राओं के मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए लाइब्रेरी सुविधा विकसित करने, पाठ्यक्रम आधारित पुस्तकों के साथ समसामयिक विषयों पर आधारित पत्र-पत्रिकाओं की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

दौरे के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विकास से संबंधित विभिन्न मांगें भी रखीं। कलेक्टर ने चर्चा के दौरान बताया कि खनिज प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, पंचायत व्यवस्था एवं पीडीएस योजना का सुचारू क्रियान्वयन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने क्षेत्र में संचालित राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भी संवाद कर योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि मांगों को चरणबद्ध प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान धरमजयगढ़ एसडीएम श्री प्रवीण भगत, कृषि एसडीओ प्रभास शंकर सिंह, तहसीलदार लोमस मिरी, जनपद सीईओ एवं संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सशक्त समाज निर्माण में शिक्षा और संगठन की भूमिका अहम : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बलौदा बाजार जिले के ग्राम चांपा में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के दो दिवसीय 80वें महाअधिवेशन में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक डॉ. खूबचंद बघेल की पुण्य तिथि पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा समाज की विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मनवा कुर्मी समाज को परिश्रमी, संगठित और उन्नत कृषक परंपरा वाला समाज बताते हुए कहा कि समाज का योगदान राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने 80वें महाअधिवेशन की बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मेल-मिलाप, समन्वय और सकारात्मक निर्णयों को बढ़ावा देते हैं, जिसका लाभ पूरे प्रदेश और देश को मिलता है। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा के गृह ग्राम चांपा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा सशक्त समाज निर्माण का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने समाज द्वारा बेटा-बेटी दोनों को शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही आत्मनिर्भर और प्रगतिशील समाज बनता है। उन्होंने महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने, युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता और सामाजिक सुधार के प्रयासों को भी सराहनीय बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए गए हैं। इस वर्ष समर्थन मूल्य पर 25 लाख 24 हजार किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा गया है तथा होली से पूर्व किसानों को लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की अंतर राशि प्रदान की जाएगी। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को अब तक 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में अब विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में सरकार दृढ़ता से काम कर रही है। नियद नेल्लार योजना के माध्यम से लगभग 400 गांवों में विकास कार्यों को गति दी गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्राम नरदहा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा बलौदा बाजार में सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय विकास हुआ है और किसानों, महिलाओं तथा युवाओं के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की गई हैं।

अधिवेशन में समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम वर्मा ने समाज द्वारा लिए गए सामाजिक सुधार के महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, महिलाएं, युवा और स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ महिला टीम ने रचा इतिहास, मुंबई को 6 विकेट से हराकर सेमी फाइनल में किया प्रवेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा सीनियर वुमेंस वनडे क्रिकेट टुर्नामेंट 2025-26 का आयोजन दिनांक 06 फरवरी से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का क्वार्टर फायनल मैच दिनांक 22 फरवरी 2026 को चंडीगढ में मुंबई टीम के विरुद्ध खेला गया।

छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 46.5 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 180 रन बनाये। मुंबई की ओर से पुनम राउत ने 41 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त जील डेमेलो ने 27 रन, वृशाली भगत ने 26 रन तथा खुशी ने 25 रन बनाये।

छत्तीसगढ़ की ओर से महक नरवसे तथा अदिती पंवार ने किफायती तथा शानदार गेंदबाजी करते हुये 3-3 विकेट प्राप्त किये। प्रिती यादव ने 2 विकेट प्राप्त किया। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 47.5 ओवरों में 4 विकेट खोकर 181 रन बनाकर मैच जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रांरभिक बल्लेबाज श्रृष्टि शर्मा ने 75 रन तथा महक नरवसे ने 26 रनों के साथ शानदार शुरुवात दी, उन्होने पहले विकेट के लिये 79 रनों की मैच जिताउ साझेदारी की । उनके अतिरिक्त नेहा बडवाइक ने नाबाद 35 रन तथा कप्तान कृति गुप्ता ने 16 रनों का योगदान दिया। मुंबई की ओर से प्रकाशिका नायक ने 2 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 6 विकेट से जीतकर सेमी फायनल में प्रवेश किया। श्रृष्टि शर्मा प्लेयर ऑफ द मैच बनीं । टीम दिनांक 26 फरवरी को सेमी फायनल मैच खेलेगी।

बागबाहरा के 132/33 केवी उपकेंद्र की क्षमता 126 एमवीए पहुंची

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश के परिपालन में महासमुंद जिले के बागबाहरा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को और अधिक स्थिर व भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ने 132/33 केवी उपकेंद्र बागबाहरा में 40 एमवीए क्षमता वाले पुराने पावर ट्रांसफार्मर की जगह 63 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसका ऊर्जीकरण कर दिया है। खास बात यह है कि यह इस उपकेंद्र का दूसरा 63 एमवीए ट्रांसफार्मर है।

पहले यहां 63 एमवीए और 40 एमवीए के ट्रांसफ ार्मर लगे थे, जिससे कुल क्षमता 103 एमवीए थी। अब 40 एमवीए ट्रांसफार्मर को हटाकर 63 एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाए जाने से उपकेंद्र की कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 126 एमवीए हो गई है। पिछले साल पीक लोड सीजन में यहां करीब 90 एमवीए तक लोड दर्ज किया गया था, जिससे ओवरलोड की स्थिति बनने लगी थी। नई क्षमता जुड़ने के बाद अब ओवरलोड की समस्या से राहत मिलेगी और बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर रहेगी।

बागबाहरा उपकेंद्र को 132 केवी परसवानी और 132 केवी झलप से विद्युत आपूर्ति होती है। यहां से 33 केवी के नौ फीडरों क्रमश: बागबाहरा (महासमुंद), टेमरी, सुनसुनिया, गोयनबहरा, टाउन, तेंदुकोना, मुंगसेर और खलारी के माध्यम से 150 से अधिक गांवों में बिजली पहुंचाई जाती है।

'ये मैं नहीं हूं', व्हाट्सएप पर आयशा खान के नाम से चल रहा फ्रॉड, अब एक्ट्रेस ने खुद बताई सच्चाई

आयशा खान ने अपने नाम से व्हाट्सएप पर चल रहे फ्रॉड को लेकर लोगों को सतर्क किया है। जानिए व्हाट्सएप पर आयशा को लेकर क्या फ्रॉड चल रहा है

'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से मशूर हुई अभिनेत्री आयशा खान लगातार किसी न किसी बहाने से सुर्खियों में बनी रहती हैं। अब अभिनेत्री के नाम पर धोखेबाजी का खेल भी धड़ल्ले से चल रहा है। नौबत यहां तक हो गई कि एक्ट्रेस को खुद आगे आकर इस मामले पर स्पष्टीकरण देना पड़ा। अभिनेत्री ने स्टोरी साझा कर लोगों से कहा कि यह मैं नहीं हूं।

आयशा ने साझा की स्टोरी

व्हाट्सएप पर अभिनेत्री आयशा खान बनकर फ्रॉड किया जा रहा है। उनकी प्रोफाइल बनाकर लोगों को मैसेज किए जा रहे हैं। अब इस धोखाधड़ी मामले में एक्ट्रेस खुद सामने आईं और लोगों को आगाह किया है कि ये मैं नहीं हूं। आयशा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इसमें उन्होंने व्हाट्सएप मैसेज का स्क्रीनशॉट और नंबर शेयर किया है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने लिखा, 'यह मैं नहीं हूं। कृपया उनसे संपर्क न करें।'

श्रिया सरन भी इस मामले में दे चुकी हैं सफाई

आयशा व्हाट्सएप पर नकली प्रोफाइल पाने वाली पहली सेलिब्रिटी नहीं हैं। कुछ महीने पहले 'दृश्यम' फेम अभिनेत्री श्रिया सरन ने भी एक नकली प्रोफाइल का पर्दाफाश किया था, जो उनका नंबर बताकर लोगों से संपर्क कर रहा था।

उन्होंने पोस्ट किया था, 'यह बेवकूफ कौन है? कृपया लोगों को मैसेज करना और समय बर्बाद करना बंद करें। दुर्भाग्य से यह अजीब है। मुझे लोगों का समय बर्बाद करने का बुरा लग रहा है। यह मैं नहीं हूं। यह मेरा नंबर नहीं है।

वैसे, अच्छी बात यह है कि यह घटिया इंसान उन लोगों से संपर्क कर रहा है, जिनकी मैं तारीफ करती हूं और जिनके साथ काम करना चाहती हूं। आप अपना समय इसमें क्यों बर्बाद कर रहे हैं? अपनी जिंदगी जियो, किसी के नकली प्रोफाइल के चक्कर में मत पड़ो।'

इस फिल्म में नजर आ सकती हैं आयशा

वर्कफ्रंट की बात करें तो आयशा खान आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' में नजर आई थीं। इसमें कपिल शर्मा प्रमुख भूमिका में थे। इससे पहले उन्हें 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में देखा गया था। जहां उनके डांस मूव्स ने सबका ध्यान खींचा था। अब ऐसी खबरें हैं कि आयशा 'भागम भाग 2' में नजर आ सकती हैं। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

मीनाक्षी चौधरी को अक्षय कुमार की फिल्म में काम करने का मिला ऑफर

मीनाक्षी चौधरी, जो खिलाड़ी, एचआईटी 2, लकी भास्कर और संक्रांतिकी वस्तुनम जैसी तेलुगु फिल्मों में अपने रोल के लिए जानी जाती हैं, अक्षय कुमार स्टारर भागम भाग 2 से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। राज शांडिल्य के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म ओरिजिनल फिल्म के अफरा-तफरी वाले कॉमेडी स्टाइल को बनाए रखने का वादा करती है, साथ ही एक नई कहानी भी पेश करेगी।

मीनाक्षी ने 2021 में इचता वहानामुलु निलुपराडु से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री की और तब से कई सफल तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उनका बॉलीवुड डेब्यू उनके करियर में एक अहम पड़ाव है, और फैंस उन्हें अक्षय कुमार के साथ देखने के लिए बेताब हैं। फिल्म में मनोज बाजपेयी और आयशा खान जैसे शानदार कलाकार हैं, जो एक अहम रोल में हैं, हालांकि अभी इसकी डिटेल्स नहीं बताई गई हैं। भागम भाग 2 के 2026 के आखिर तक रिलीज़ होने की उम्मीद है, और इसकी शूटिंग फरवरी 2026 में शुरू होगी।

मीनाक्षी चौधरी का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना उनके लिए एक बड़ा मौका है, और अगर फिल्म सफल होती है, तो उन्हें टॉप डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से और भी ऑफर मिल सकते हैं।

हैंडबैग का इस तरह से रखें ध्यान, लंबे समय तक रहेंगे सही

हैंडबैग न केवल हमारे सामान को समेटने का काम करता है, बल्कि हमारे लुक को भी पूरा करता है। हालांकि, अक्सर हम इसे इस्तेमाल करने के बाद यूं ही कहीं रख देते हैं और इसका सही तरीके से ख्याल नहीं रखते। इससे इसकी चमक और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान उपाय बताते हैं, जिनकी मदद से आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रख सकते हैं।

हैंडबैग को साफ रखें

हैंडबैग को साफ रखना बहुत जरूरी है। अगर आपके हैंडबैग पर कोई दाग या गंदगी लग गई है तो उसे तुरंत साफ करें। इसके लिए आप हल्के साबुन और पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ध्यान रखें कि ज्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे बैग का आकार बिगड़ सकता है। अगर आपका हैंडबैग चमड़े का है तो उसे साफ करने के लिए खास चमड़े का सफाई करने वाला पदार्थ इस्तेमाल करें।

सही तरीके से रखें

हैंडबैग को सही तरीके से रखना भी जरूरी है। अगर आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें। इसे किसी ठंडी और सूखी जगह पर रखें ताकि नमी और धूल से बचा जा सके। अगर आपके पास हैंडबैग के लिए खास डिब्बा हो तो उसमें रखें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और ये लंबे समय तक सही रहेगा।

भारी सामान न रखें

हैंडबैग में भारी सामान रखने से इसका आकार बिगड़ सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए हमेशा अपने हैंडबैग में हल्का और जरूरी सामान ही रखें। भारी किताबें या लैपटॉप जैसे भारी सामान को अलग बैग में रखें ताकि आपके हैंडबैग का आकार बना रहे और यह लंबे समय तक सही रहे। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और यह लंबे समय तक सही रहेगा।

धूप से बचाएं

धूप में लंबे समय तक रखने से आपके हैंडबैग की चमक फीकी पड़ सकती है इसलिए इसे धूप से बचाकर रखें। जब भी आपका बैग न पहनने वाला हो तो उसे किसी बंद दराज या डिब्बे में रखें ताकि धूल-मिट्टी और धूप से बचा रहे। अगर आप अपने बैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें और समय-समय पर साफ करते रहें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी।

नियमित रूप से जांचें

अपने बैग की नियमित रूप से जांच करना जरूरी है ताकि किसी भी तरह की समस्या समय रहते हल हो सके। समय-समय पर बैग की सिलाई, हैंडल और जिपर्स आदि की जांच करते रहें ताकि कोई टूट-फूट न हो। अगर कहीं सिलाई ढीली हो रही हो तो उसे तुरंत ठीक कर लें। इसके अलावा बैग को समय-समय पर साफ करते रहें ताकि उसकी चमक और गुणवत्ता बनी रहे।

मानसा वाराणसी ने किसिंग सीन पर दी अपनी प्रतिक्रिया

मानसा वाराणसी ने किसिंग सीन पर रिएक्ट किया। मानसा वाराणसी ने हाल ही में संतोष सोभन की फिल्म कपल फ्रेंडली में अपनी परफॉर्मेंस से सभी को इम्प्रेस किया।

फिल्म में इंटिमेट और किसिंग सीन थे। जब उनके बारे में पूछा गया, तो मानसा वाराणसी ने इस तरह रिएक्ट किया। मानसा से पूछा गया, इस मूवी में किसिंग सीन हैं, है ना? आप किस को कैसे डिफाइन करेंगी? पहले तो वह सवालों की लाइन सुनकर कन्फ्यूज्ड लग रही थीं। फिर होश संभालते हुए उन्होंने ताने वाले लहजे में जवाब दिया, इसे छोटा और सिंपल रखें, जिसे छोटा करके 'किस' भी कहा जा सकता है। इस जवाब से उनके को-स्टार संतोष सोभन हंस पड़े और वह ताली बजाने लगे, जबकि मानसा मुस्कुराते हुए रिपोर्टर को घूरती रहीं।

फैंस ने इस तरह रिएक्ट किया। वीडियो शेयर करते हुए एक इंस्टाग्राम यूज़र ने लिखा, एक अजीब सवाल को छक्के में बदलना। दूसरे ने कमेंट किया, इसीलिए वह मिस इंडिया है, एक पेजेंट्री टाइटल होल्डर, वे इस तरह के सवालों का जवाब देने के लिए अच्छी तरह से ट्रेंड और मजाकिया हैं। एक ने तो यह भी लिखा, हाहाहा। अब इसे रोस्टिंग कहते हैं! एक एक्स (पहले ट्विटर) यूज़र ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, मानसा वाराणसी >>> एसएसआर वाराणसी । एक और ने मज़ाक में कहा, कोई हैरानी नहीं कि वह महेश की फैन है, अब्बाबा टाइमिंग और वन लाइन पंच।

सेयोन का टीजर हुआ रिलीज, कमल हासन की फिल्म में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

कमल हासन की फिल्म सेयोन का दमदार टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर में शिवकार्तिकेयन भगवान विरुमंदी के रूप में नजर आए। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है।

शिवकार्तिकेयन का 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म सेयोन का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं।

कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, ये भगवान विरुमंडी हैं। एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, ओजी वापस आ गया है। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है।

फिल्म का नाम सेयोन है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म विरुमंडी (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकेयन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया। यह फिल्म शिवकार्तिकेयन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है। यह फिल्म अक्तूबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सहजन के फूलों से भी बनाए जा सकते हैं कई लजीज पकवान

जानिए 5 आसान रेसिपी

सहजन का इस्तेमाल खान-पान में खास तौर से किया जाता है। हालांकि, इसके फूलों को जल्दी उपयोग नहीं किया जाता। ये फूल न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। सहजन के फूलों में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। आइए आज हम आपको सहजन के फूलों से बनने वाले कुछ खास व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं।

सहजन के फूलों की टिक्की

सहजन के फूलों की टिक्की एक बेहतरीन नाश्ता है, जिसे आप शाम की चाय के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आलू को मैश करें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्कियां बनाकर तवे पर सेंकें या तेल में तलें। ये टिक्कियां कुरकुरी और स्वादिष्ट होती हैं, जो हर किसी को पसंद आती हैं।

सहजन के फूलों की सब्जी

सहजन के फूलों की सब्जी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर और मसालों का तड़का लगाएं। इसके बाद इसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और उन्हें पकने दें। इस सब्जी को धीमी आंच पर पकाएं, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसे रोटी या चावल के साथ खाया जा सकता है। आप इसमें सहजन के पौधे के अन्य हिस्से भी डाल सकते हैं।

सहजन के फूलों की चटनी

अगर आप अपने खाने में कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो सहजन के फूलों की चटनी जरूर बनाएं। इसके लिए सबसे पहले सूखे नारियल को भून लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक और नमक मिलाकर पीस लें। इस चटनी को दाल-रोटी या पराठे के साथ खाया जा सकता है। यह चटनी आपके खाने का स्वाद बढ़ा देगी और उसके पोषण मूल्य को भी बढ़ा देगी।

सहजन के फूलों की खीर

खीर तो आपने कई तरह की खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी सहजन के फूलों की खीर चखकर देखी है? अगर नहीं तो इसे एक बार जरूर बनाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध उबालें, फिर उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और पकने दें। अब इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। इस खीर को ठंडा करके परोसें और ऊपर से मेवे डालना न भूलें।

सहजन के फूलों का रायता

रायता खाने के साथ एक अच्छा संगत होता है। सहजन के फूलों का रायता बनाने के लिए दही को फेंट लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, भूना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा-सा काला नमक मिलाएं। इस रायते को ठंडा करके अपने खाने के साथ परोसें। यह रायता आपके खाने को और भी खास बना देगा और पेट को भी फायदा पहुंचाएगा। आप इसमें अन्य सब्जियां भी डाल सकते हैं।

राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ की 6 वीं विधानसभा के अष्टम् सत्र को संबोधित किया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ की 6 वीं विधानसभा के अष्टम् सत्र को संबोधित किया और अभिभाषण पढ़ा। विधानसभा पहुंचने पर राज्यपाल डेका का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने स्वागत किया।

अभिभाषण का मूल पाठ इस प्रकार है-:

माननीय सदस्यगण,

1. आप सभी को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना और हमारी विधानसभा की रजत जयंती की बहुत-बहुत बधाई।

2. राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से हमारी विधानसभा के नवीन भवन का लोकार्पण हुआ। आप सभी को लोकतंत्र के मंदिर इस नये भवन की हार्दिक शुभकामनाएं।

3. प्रदेश की षष्ठम् विधानसभा के वर्ष 2026 में आयोजित इस प्रथम सत्र में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन है।

4. अब हमारे प्रदेश ने विकसित राज्य की ओर अपना नया सफर शुरू किया है। सामूहिक प्रयत्न और संकल्प से निश्चित रूप से हम वर्ष 2047 तक विकसित राज्य का लक्ष्य प्राप्त करेंगे।

5. भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने हमारे राज्य का निर्माण किया। उन्होंने जिस संकल्पना को लेकर छत्तीसगढ़ बनाया, उसे पूरा होते देखकर बहुत खुशी होती है।

6. छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं हैं। यहां की सरल, सहज और मेहनतकश जनता की बदौलत मेरी सरकार इन संभावनाओं को साकार करने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रही है।

7. मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अंत्योदय का कल्याण है। मेरी सरकार की प्रत्येक नीति में यह सोच है कि इसके लागू होने से आखिरी पंक्ति में खड़े नागरिक को किस तरह से लाभ मिलेगा। जब इस सोच के अनुरूप नीति बनती है तो समावेशी विकास की दिशा में कदम स्वत: बढ़ जाते हैं।

8. समावेशी विकास में महिला सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। मातृ शक्ति को सशक्त बनाना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।

9. सामाजिक कल्याण के साथ तीव्र आर्थिक विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नये जमाने के अनुरूप मेरी सरकार ने नवाचार भी किया है जिसका व्यापक असर प्रदेश के आर्थिक विकास के आंकड़ों में नजर आता है।

माननीय सदस्यगण,

10. विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब किसान मजबूत और समृद्ध होंगे। इसलिए मेरी सरकार उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने, फसल का उचित मूल्य दिलाने और बाजार तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर काम कर रही है।

11. इस वर्ष 25 लाख 24 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया और 33 हजार 431 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। मेरी सरकार ने 'कृषक उन्नति योजना' के तहत होली से पहले किसानों को 10 हजार 292 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्णय लिया है।

12. केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार भी किसान हितैषी सरकार है। छत्तीसगढ़ के 24 लाख 72 हजार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

13. मेरी सरकार के कल्याणकारी दायरे में भूमिहीन कृषक मजदूर भी शामिल हैं। राज्य के 5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' के तहत सालाना 10 हजार रुपए दिए जा रहे हैं।

14. मेरी सरकार गुणवत्तापूर्ण बीज किसानों को उपलब्ध कराने की दिशा में पुख्ता काम कर रही है। बीज उत्पादन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति एवं महिला वर्ग के किसानों को प्रमाणीकरण शुल्क में शतप्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। दो साल में 21 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किये गये हैं।

15. हमारे किसान भाइयों द्वारा उपजाया खाद्यान्न निर्यात के माध्यम से विदेशों तक अधिकाधिक पहुंचाया जाए, इसके लिए मेरी सरकार ऐसी तकनीकों पर काम कर रही है जिससे खाद्यान्नों की शेल्फ लाइफ बढ़ाई जा सके। इसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की सहायता से 06 करोड़ रुपए की लागत से सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है।

16. दुनिया भर में खेती-किसानी की तकनीक बदल रही है। कृषि शोध में लगे अध्यापकों और छात्रों को मेरी सरकार द्वारा निरंतर एक्सपोजर विजिट भी कराया जा रहा है। प्रदेश में दलहन और तिलहन की फसलों को बढ़ावा देने मेरी सरकार प्रतिबद्ध है। 'दलहन बीज उत्पादन प्रोत्साहन योजना' में प्रति क्विंटल दिए जाने वाले 1000 रूपए के अनुदान को अब बढ़ाकर 5 हजार रुपए कर दिया गया है। 'अक्ती बीज संवर्धन योजना' के तहत तिलहनी फसलों के उत्पादन एवं वितरण पर अनुदान राशि 1000 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 1500 रुपए प्रति क्विंटल कर दी गई है।

17. फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने धान के बदले अन्य खरीफ फसल लेने वाले कृषकों को भी प्रति एकड़ 11 हजार रुपए आदान सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है।

18. खाद्यान्न तेल के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार पाम ऑयल को बढ़ावा दे रही है। मेरी सरकार ने इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा दिये जा रहे अनुदान के अतिरिक्त 69 हजार 620 रुपए का टापअप अनुदान प्रदान करने का निर्णय लिया है।

19. छत्तीसगढ़ में कोदो और रागी जैसे मिलेट्स की खेती में बड़ी संभावना है और इसके बीजों के आत्मनिर्भरता की दिशा में भी मेरी सरकार प्रयासरत है।

20. हमारे वनांचल जैविक खेती के लिए सबसे अनुकूल हैं और इससे स्थानीय किसानों के लिए बड़े लाभ की संभावनाएं खुलेंगी। प्रदेश में 38 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती हो रही है।

21. हमारा छुईखदान पान की बेलों के लिए प्रसिद्ध रहा है। मेरी सरकार ने यहां पान अनुसंधान केंद्र आरंभ किया है।

माननीय सदस्यगण,

22. खेती-किसानी से जुड़ी अर्थव्यवस्था का विस्तार पशुपालन को बढ़ावा दिए बिना संभव नहीं है। मेरी सरकार ने इस क्षेत्र में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमओयू किया है।

23. सहकारिता की ताकत सबसे बड़ी ताकत है। इस ताकत से लोगों को जोड़ते हुए 'सहकार से समृद्धि योजना' के तहत 488 नवीन डेयरी समितियों का गठन किया गया है। दुग्ध उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से महासंघ द्वारा दूध का क्रय मूल्य 35 रुपए से बढ़ाकर 36 रुपए 50 पैसे प्रति लीटर कर दिया गया है।

24. वर्ष 2022-23 में जहां दूध उत्पादन 1955 हजार टन था वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 2162 हजार टन हो गया। प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता भी वर्ष 2022-23 के 180 ग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 194 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। दूध उत्पादन बढ़ने का लाभ किसानों को तो हो ही रहा है, हमारे नौनिहालों को भी इसके माध्यम से बेहतर पोषण मिल रहा है।

25. मत्स्यपालन के क्षेत्र में भी बड़ी संभावनाएं हैं। कांकेर जिला देश भर में इस क्षेत्र में मॉडल जिला बना है। यह केंद्र सरकार द्वारा बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट के रूप में चुना भी गया है। अभी हमारा प्रदेश मत्स्य उत्पादन के मामले में देश में छठवें स्थान पर है। मेरी सरकार ने वर्ष 2047 तक इसे देश में तीसरे स्थान पर लाने का लक्ष्य रखा है। गांव में खेत, घर में पशुपालन और खेत से लगी डबरी में मछली पालन, इस तरह के एप्रोच से काम करने से किसान भाइयों की आय में और भी वृद्धि होगी। मेरी सरकार इस दिशा में किसान भाइयों को प्रेरित करने का काम कर रही है। इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आये हैं। निजी क्षेत्र में 7580 हेक्टेयर में मत्स्यपालन का काम हो रहा है।

माननीय सदस्यगण,

26. विकसित छत्तीसगढ़ का आधार सिंचाई परियोजनाएं हैं। पिछले दो वर्षों में मेरी सरकार ने प्रदेश में 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता की वृद्धि की है, जिससे राज्य में कुल विकसित सिंचाई क्षमता 21 लाख 76 हजार हेक्टेयर हो गई है।

27. 73 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचाई सुविधा में विस्तार एवं पुनर्स्थापन के लिए 477 सिंचाई योजनाओं के लिए 1874 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी दी गई है।

28. सिंचाई योजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि के लंबित मुआवजों के प्रकरण को निपटाने में मेरी सरकार ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। किसान भाइयों को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 400 करोड़ रुपए मुआवजा का भुगतान किया गया, वहीं वन भूमि से संबंधित 100 करोड़ रुपए की लंबित मुआवजे राशि का भुगतान किया गया। इससे वन प्रभावित सिंचाई योजनाओं के निर्माण में गति आई है।

29. मातृशक्ति का सम्मान, उनकी गरिमा की रक्षा और उनका आर्थिक सशक्तीकरण मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

30. माताएं-बहनें कुशल बजट प्रबंधक होती हैं। 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से हर महीने एक-एक हजार रुपए की राशि हम प्रदेश की लगभग 69 लाख महिलाओं के खाते में जमा कर रहे हैं। मेरी सरकार ने लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में 24 किश्तों में 15 हजार 596 करोड़ रूपए जमा किए हैं।

31. दो साल पहले मेरी सरकार ने यह योजना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आरंभ की। तीन महीने में ही हितग्राहियों के चिन्हांकन का काम पूरा हो चुका था। माओवादी हिंसा की वजह से बस्तर के कुछ क्षेत्रों की महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिल सका था। उन 7,763 महिलाओं को भी योजना से लाभान्वित करना आरंभ कर दिया गया है।

32. 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' के अंतर्गत फरवरी 2026 में राज्यभर में एक साथ 6,412 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। इनमें से 1,316 जोड़े रायपुर में विवाह बंधन में बंधे। यह भव्य आयोजन गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इस आयोजन की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि आत्मसमर्पित नक्सलियों के 6 जोड़ों का विवाह भी इसी योजना के तहत कराया गया, जो विश्वास, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा से जुड़ाव का सशक्त संदेश है।

33. मेरी सरकार ने मातृशक्ति के लिए प्राथमिकता से योजनाएं बनाई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में माताएं-बहनें अपने हुनर को आगे बढ़ाएं, इसके लिए 137 महतारी सदन पूर्ण करा लिए गए हैं तथा 212 महतारी सदन निर्माणाधीन हैं।

34. हमारे नौनिहाल हमारा भविष्य हैं। पूरे जतन के साथ उनकी परवरिश हो, इसके लिए मेरी सरकार उनके पोषण का खास ध्यान रख रही है। 'पोषण ट्रैकर एप' के नतीजे उत्साहित करने वाले हैं, इससे हमारे नौनिहालों के कुपोषण के सभी मापदण्डों में कमी आ रही है।

35. पोषण पखवाड़ा 2025 में प्रति आंगनबाड़ी गतिविधि में हमारा राज्य देश में प्रथम स्थान पर रहा है।

माननीय सदस्यगण,

36. जब आतंक का साया हट जाता है तो विकास का उजाला स्वत: ही फैल जाता है और लोगों का जीवन रोशन हो जाता है।

37. हमने बीते दो वर्षों में माओवादी आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में बड़ी सफलता प्राप्त की है। दो वर्षों में 532 माओवादी न्यूट्रलाइज किए गए, 2704 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया तथा 2004 माओवादी गिरफ्तार किये गये। मेरी सरकार ने आत्मसमर्पण की बेहतर पालिसी बनाई है, जिसके फलस्वरूप भटके हुए युवा अब मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। हथियार छोड़कर संविधान की प्रति हाथों में थाम रहे हैं। प्रदेश तेजी से माओवादी आतंक से मुक्ति की दिशा में बढ़ रहा है।

38. जिन धुर नक्सल प्रभावित इलाकों को माओवाद से मुक्त किया गया है वहां 'नियद नेल्ला नार योजना' के माध्यम से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस योजना में 17 विभागों की भागीदारी है और शासन की 25 कल्याणकारी योजनाओं तथा 18 सामुदायिक सुविधाओं का लाभ हितग्राहियों को दिया जा रहा है।

39. मेरी सरकार ने बस्तर में विकास के लिए कनेक्टिविटी को विशेष प्राथमिकता दी है। 146 सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों के लिए 1109 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गयी है। अनेक महत्वपूर्ण सड़क एवं पुलों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा अनेक कार्य प्रगति पर हैं।

40. बीजापुर जिले में बीजापुर-आवापल्ली-जगरगुण्डा तथा बीजापुर-मोदकपाल-तारलागुड़ा, सुकमा जिले में गादीरास से मनकापाल, नारायणपुर जिले में गारपा से कच्चापाल, गारपा से आकाबेड़ा सड़कों के निर्माण के साथ ही बासागुड़ा-धरमावरम-पामेड़ मार्ग में चिंतावागु नदी में, नेलसनार-गंगालूर मार्ग में मरी नदी, तुमका नदी तथा मिंगाचल नदी में तथा पेदारास से डोलेरास में फूल नदी पर पुलों का निर्माण पूर्ण किया गया है।

माननीय सदस्यगण,

41. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 728 मोबाइल टॉवर चालू किए गए हैं। साथ ही 449 मोबाइल टॉवरों को 4जी में अपग्रेड किया गया। गांवों तक डीटीएच कनेक्शन पहुंचा है और रात को हाई मास्ट लैंप से गांव जगमगाने लगे हैं।

42. एक बड़ा फायदा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का भी है, जिनमें अब तक ये नक्सल प्रभावित क्षेत्र पीछे रह गये थे। 31 नई प्राथमिक शालाएं और 19 उपस्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत किये गये हैं।

43. माओवादी आतंक के चलते यहां बच्चों का टीका भी नहीं हो पाता था, नियद नेल्ला नार योजना के आरंभ होने से अब तक 11 हजार से अधिक बच्चों एवं महिलाओं को टीके लगाये गए हैं। इससे आने वाली पीढ़ी का स्वास्थ्य सुरक्षित हो रहा है।

माननीय सदस्यगण,

44. राज्य के जनजातीय क्षेत्रों में वनाधिकार पत्र जारी करने के संबंध में मेरी सरकार सक्रियता से कार्य कर रही है। वनाधिकार पत्र जारी करने के संबंध में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल स्थान पर है। अब तक प्रदेश में 4 लाख 83 हजार 222 व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र, 48 हजार 251 सामुदायिक वनाधिकार पत्र तथा 4 हजार 396 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र जारी किए गए हैं। पिछले दो साल में 4659 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र, 97 सामुदायिक वन अधिकार पत्र तथा 89 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र इस प्रकार कुल 4,845 वन अधिकार पत्र वितरित किये गये हैं। मेरी सरकार द्वारा संवेदनशील निर्णय लेते हुए व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र धारकों की मृत्यु होने पर इनके वारिसों के नाम वनाधिकार पत्र का नामांतरण एवं अन्य प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया गया है।

45. तेंदूपत्ता संग्रहण मूल्य 4 हजार रुपए से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए कर दिया गया है। संग्राहकों को चरण पादुका भी वितरित की जा रही है। वन धन केंद्रों के माध्यम से संग्राहकों को वनोपज का उचित दाम दिया जा रहा है।

46. हमारे प्रदेश की 31 फीसदी आबादी जनजातीय है। मेरी सरकार जनजातीय उत्थान के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है।

47. आदिम जाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अब ऑनलाइन पोर्टल से दी जा रही है। वर्ष 2025-26 से नई व्यवस्था लागू कर समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया है।

48. इसी तरह एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जनजातीय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुडा को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार मिला, जो प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

49. ओडिशा के सुंदरगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 में छत्तीसगढ़ ने देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने कुल 162 पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया।

50. धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की संकल्पना को पूरा करने जनजातीय विकास की दिशा में मेरी सरकार तत्परता से कार्य कर रही है। 'पीएम जनमन योजना' तथा 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत तेजी से कार्य हो रहे हैं। 'आदि कर्मयोगी अभियान' से डेढ़ लाख आदिकर्मयोगी तैयार किये गये हैं। ये ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का नेतृत्व करेंगे। 'प्रधानमंत्री जनमन योजना' एवं आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा छत्तीसगढ़ को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में सम्मानित किया गया है।

51. शहीद वीरनारायण सिंह और जनजातीय शहीदों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए मेरी सरकार ने देश का पहला डिजिटल संग्रहालय, शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय नवा रायपुर में स्थापित किया है। इसका लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ। मेरी सरकार द्वारा नवा रायपुर में ट्राइबल एवं कल्चरल कन्वेंशन सेंटर भी बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 131वीं कड़ी

सकारात्मक पहल को सामने लाता है 'मन की बात' : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 131वें एपिसोड का श्रवण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, अखिलेश सोनी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त संवाद बन चुका है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरक प्रयासों और असाधारण उपलब्धियों को सामने लाने वाला मंच है, जो समाज में सेवा, नवाचार और सहभागिता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग प्रत्येक माह इसके प्रसारण का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता और भविष्य की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए देश को नई दिशा का संदेश दिया है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की तकनीकी शक्ति को विश्व ने सराहा और 'मेड इन इंडिया' के तीन एआई मॉडल लॉन्च होना देश की नवाचार क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से तकनीकी नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत में धान की 500 से अधिक किस्मों की खेती हो रही है और देश विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के किसानों की अथक मेहनत, वैज्ञानिकों के निरंतर अनुसंधान और सरकार की दूरदर्शी नीतियों का महत्वपूर्ण योगदान है। यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने वाला परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अमूल के माध्यम से पशु चिकित्सा और डेयरी प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग तथा 'सुश्रुत संहिता' जैसे प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण और अनुवाद के प्रयासों का उल्लेख भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक के उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह भारत की परंपरा और तकनीक दोनों की शक्ति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री द्वारा केरल की 10 माह की बालिका आलिन शेरिन अब्राहम के अंगदान के निर्णय का उल्लेख करते हुए उसे मानवता की अनुपम मिसाल बताया। उन्होंने बालिका के माता-पिता को नमन करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय कई लोगों को नया जीवन देने वाला है तथा समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में प्रेरणादायी साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने डिजिटल फ्रॉड और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर अपराधों से सावधान रहने तथा केवाईसी एवं बैंकिंग सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया है, जो आज के डिजिटल युग में अत्यंत प्रासंगिक है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने टी-20 विश्व कप में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की उपलब्धियों, राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'राजाजी उत्सव' में सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा स्थापना, परीक्षार्थियों के लिए आत्मविश्वास के संदेश तथा रमजान और होली के पावन अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि 'मन की बात' का प्रत्येक एपिसोड आत्मनिर्भर भारत, तकनीकी सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में देश के बढ़ते कदमों का सशक्त उदाहरण है। यह कार्यक्रम नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है और जन-जन की सकारात्मक पहल को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है।

खास खबर

सीआईडी अधिकारी बनकर लोगों को धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

धमतरी। खुद को सीआईडी अधिकारी बताकर लोगों पर रौब झाड़ने और अवैध लाभ लेने वाले एक युवक को धमतरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से फर्जी आईडी कार्ड, संगठन का बोर्ड, मोबाइल फोन और स्कॉर्पियो वाहन जब्त किया गया है। उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। 21 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आमातालाब रोड स्थित श्रद्धा वेल्डिंग दुकान के पास एक व्यक्ति अपनी स्कॉर्पियो में नेशनल क्राइम कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन का बोर्ड लगाकर खड़ा है और खुद को सीआईडी अधिकारी बताकर लोगों को प्रभावित कर रहा है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम टिकेश्वर नरेटी (28 वर्ष), निवासी डांगरा, जिला कांकेर बताया। उसके पास से दो फर्जी आईडी कार्ड बरामद किए गए, जिनमें क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट और क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिटेक्टिव लिखा हुआ था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी इन फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल टोल टैक्स से बचने और अन्य जगहों पर प्रभाव जमाने के लिए करता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 204, 205 और 336(3) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

चरित्र शंका को लेकर पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा में घरेलू विवाद के चलते पति ने अपनी पत्नी, मां और बहन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल पत्नी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सीतामणी वैष्णो दरबार बस्ती में हुई थी। आरोपी पति रामेश्वर साहू ने अपनी पत्नी सुकृता साहू पर कमरे के अंदर चापड़ से हमला किया। जब सुकृता की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां सांवन साहू और बहन निर्मला साहू उसे बचाने आईं, तो रामेश्वर ने उन पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचकर 112 और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तीनों घायल महिलाओं को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जहां पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पति रामेश्वर साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। पत्नी की शिकायत पर रामेश्वर साहू एक साल पहले भी जेल जा चुका था। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि विवाद का कारण चरित्र शंका और पैसों की मांग थी।

भाजपा नेता युवती को लेकर हुआ फरार

कई युवतियों की जिंदगी बर्बाद करने का लगा आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा का भाजपा नेता और भाजयुमो में पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य चिंटू अग्रवाल क्षेत्र की एक युवती को लेकर फरार हो गया है। पीड़ित परिवार ने अपनी पुत्री की गुमशुदगी की सूचना थाना में दर्ज करा दी है जिस पर गुम इंसान का मामला कायम कर पतासाजी किया जा रहा है।

घटना 17 फरवरी की बताई जा रही है जिसमें 20 वर्षीय युवती सुबह 10 बजे बुटीक जाने के नाम पर घर से निकली और इसके बाद वापस नहीं लौटी। बाद में चर्चाओं से पता चला कि वह पड़ोस के करीब 40 वर्षीय चिंटू अग्रवाल के झांसे में आकर साथ चली गई है। परिजनों को अपनी बेटी की चिंता है। इधर दूसरी तरफ चिंटू अग्रवाल के द्वारा युवती के माध्यम से एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कराया जा रहा है जिसमें लखनपुर की गौशाला में शादी करना और साथ में रहने का हवाला दिया जा रहा है, जबकि पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

युवती के परिजनों को चिंटू अग्रवाल के पुराने करतूतों को लेकर अपनी बेटी की चिंता सता रही है क्योंकि चिंटू पर पहले भी दो दर्जन से अधिक युवतियों/किशोरियों की जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगता रहा है। अपने धन बल और रसूख के बल पर गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों का मुंह बंद कराता रहा इसलिए मामले सामने नहीं आए किन्तु कुछ मामलों में परिवार की इज्जत उछालने पर उसकी जमकर खबर ली गई और जेल भी जा चुका है किंतु अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा।

इस वर्तमान मामले में युवती के पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि चिंटू अग्रवाल के द्वारा 25 से अधिक बालिकाओं-नाबालिक लड़कियों की जिंदगी तबाह किए जाने की बात कही जा रही है। इसकी उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जाती है। कटघोरा एवं आसपास क्षेत्र में लड़कियों की जिंदगी बर्बाद कर कई घरों को उजाड़ने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसका तरीका लड़कियों की नग्न तस्वीरों के माध्यम से ब्लैकमेल करना और शादी का ढोंग रचाना बताया जाता है।

चैतमा की एक लड़की, जो कटघोरा पढ़ने आती थी, उसे अपने प्रेम जाल में फसाकर उसकी हत्या किए जाने की बात कही जाती है और मामले को आत्महत्या करार दिया गया। कटघोरा क्षेत्र के धवईपुर के एक परिवार पर भी यह कहर बनकर टूटा। उनके घर की लड़की को ब्लैकमेल करने के बाद कटघोरा से लेकर सारंगढ़ तक गिरफ्तारी का दौर चला।

इसके अतिरिक्त, कटघोरा क्षेत्र और आसपास की कई लड़कियों के साथ ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण किए जाने की बात सामने आई है। हाल ही में अपने से 20 वर्ष छोटी एक ब्राह्मण पुत्री को प्रेम जाल में फसाकर कटघोरा से भाग जाने की सूचना है, जिसकी खोजबीन जारी है।

कोरबा में कोयला लदे ट्रेलर में लगी आग, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में रविवार देर रात सीएसईबी चौकी क्षेत्र के अशोक वाटिका स्टेडियम रोड पर कोयले से भरे ट्रेलर में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे वाहन को घेर लिया। धुएं का गुबार दूर तक फैल गया और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेलर स्टेडियम रोड से गुजर रहा था तभी केबिन के पास से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग भड़क गई। चालक ने चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। वाहन टी ट्रांसपोर्ट कंपनी का बताया जा रहा है। ट्रेलर का नंबर सीजी12बीजे0643 है।

घंटों जलता रहा ट्रेलर

आग लगने के बाद काफी देर तक ट्रेलर धू-धू कर जलता रहा। दमकल वाहन देरी से मौके पर पहुंचा। आग बुझाने में हुई देरी को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई।

घटनास्थल के पास पेट्रोल पंप, दुकानें और रिहायशी मकान हैं। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलते ही 112 और सीएसईबी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

दवा कंपनी के मैनेजर की हत्या, 2 युवक हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

राउरकेला। राउरकेला शहर के सिविल टाउनशिप के रिहायशी क्षेत्र में दवा कंपनी के मैनेजर की उनके कमरे में हत्या कर दी गई। वारदात शुक्रवार देर रात एलआईसी ऑफिस लाइन के पास क्वार्टर नंबर ट्रिपल क्यू-14 की छत पर बने कमरे में हुई।

पुलिस के अनुसार, पारादीप निवासी भागीरथी साहू (42) भुवनेश्वर स्थित दवा कंपनी में मैनेजर थे। करीब 15 दिन पहले कंपनी के काम से राउरकेला आए थे और अपने परिचित दो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के साथ क्वार्टर में ठहरे थे। शुक्रवार रात तीनों कमरे में मौजूद थे। इसी दौरान धारदार हथियार से हमला कर साहू की हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की गई। हत्या में संलिप्त दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। मामले की जांच जोनल डीएसपी मनोरंज प्रधान, थाना प्रभारी सूरज झंकार और अतिरिक्त प्रभारी प्रभा सिंह कर रहे हैं। पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव उन्हें सौंप दिया गया।

रायपुर में धान से लदा ट्रक कार पर पलटा, 3 मौतें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में धान से लदा ट्रक कार के ऊपर पलट गया। इस हादसे में कार सवार पति-पत्नी और ड्राइवर की मौत हो गई। सर्जरी के बाद दंपती घर लौट रहे थे। घटना विधानसभा थाना क्षेत्र की है।

मृतकों की पहचान राजकुमार शर्मा (66), पद्मा शर्मा के रूप में हुई है। जो बलौदाबाजार के रहने वाले थे। ड्राइवर का नाम प्रवीण बताया जा रहा है। बड़े बेटे ने पुणे से ऑनलाइन कैब बुक की थी। शहर से बाहर निकले ही थे कि हादसा हो गया।

जानकारी के मुताबिक, राजकुमार शर्मा (66) का रायपुर के एमएमआई अस्पताल में 10 फरवरी से भर्ती थे। वहां सफल बाइपास सर्जरी हुई थी। अस्पताल में भर्ती के दौरान वे बार-बार अपने बेटे मनीष शर्मा से घर तिल्दा जाने की जिद करते रहे।

रविवार को शाम तक जब उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली, तब घर लौटने के लिए बड़े बेटे मनोज शर्मा ने पुणे से ऑनलाइन कैब बुक की थी। कार सवार पति-पत्नी जैसे ही पुरानी विधानसभा के पास नरदहा पहुंचे तो धान से लदा ट्रक कार के ऊपर पलट गया।

ट्रक और उसमें रखी धान की बोरियां एक साथ कार पर गिर गई। इस हादसे में कैब ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पति-पत्नी घायल अवस्था में कार में फंसे रहे। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे घायल दंपती को बाहर निकाला गया और पास के अस्पताल में पहुंचाया गया। लेकिन इलाज शुरू होने के आधे घंटे के भीतर दंपती की मौत हो गई।

डीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी ने दोनों घायलों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि ट्रक पलौद के धान केंद्र से दोंदे कुटकी जा रहा था। ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार डीपीएस स्कूल के सामने थी। स्पीड ब्रेकर के चलते कार की स्पीड कम थी। उसी समय बलौदाबाजार की ओर ही जा रहा धान लदा ट्रक कार को ओवरटेक कर रहा था। ब्रेकर में जर्क के चलते ट्रक का लॉकिंग हुक (पट्टा) टूट गया।

ट्रक अनियंत्रित होकर बांईं ओर जा रही कार पर पलट गया। बताया जा रहा है कि बड़ा बेटा पुणे की एमएनसी में काम करता है और छोटा बेटा मनीष शर्मा रियल एस्टेट का काम देखता है।

डबल-इनकम का लालच देकर 2-लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में होटल व्यावसायी महिला के साथ 2 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। उनके होटल में काम करने वाले पुराने कर्मचारी ने ही उन्हें लालच देकर फंसाया और पैसे लेने के बाद सामान समेटकर फरार हो गया। कर्मचारी ने उन्हें शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करने पर डबल मुनाफा होने का झांसा दिया था, जिसके चलते वो उसके झांसे में आकर पैसे दे दी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है।

तारबाहर क्षेत्र में रहने वाली अंजना फ्रांसिस होटल संचालित करती हैं। उन्होंने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि, गोविंद कुमार रायपुर के फाफाडीह का निवासी है। वह पिछले कुछ महीनों से उनके होटल में काम करता था और होटल में ही रह रहा था।

इस दौरान उसने अपने काम से विश्वास जीतने का प्रयास किया। फिर महिला को भरोसे में लेकर शेयर मार्केट में पैसे इन्वेस्ट करने की बात कही। उसने महिला को इससे डबल इनकम होने का लालच दिया।

चार किश्तों में दिए 2 लाख रुपए

अंजना ने पुलिस को बताया कि गोविंद कुमार ने उन्हें धोखाधड़ी करके 17 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक चार किस्तों में कुल 2 लाख रुपए ले लिए। बताया कि वो शेयर मार्केट में पैसे लगा दिया है। फिर 10 सितंबर को गोविंद अचानक अपना सामान समेट कर तड़के 3 बजे गायब हो गया। जब अंजना ने उससे संपर्क करने की कोशिश की, तो उसने फोन नहीं उठाया और कॉल का जवाब भी नहीं दिया। उनकी शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी बोली-धीरे-धीरे कर लौटाएंगे पैसे

होटल व्यावसायी महिला ने बताया कि गोविंद की पत्नी भारती से वाट्सएप कॉल के माध्यम से संपर्क किया था, जिसमें उसने स्वीकार किया कि उसके पति ने पैसे लेकर शेयर मार्केट में लगा दिया है। लेकिन, उन्हें घाटा हो गया है। महिला ने धीरे-धीरे किश्तों में उन्हें पैसे लौटाने का वादा किया। लेकिन, पिछले दो-तीन महीने से उसने फोन का जवाब देना भी बंद कर दिया। जिससे परेशान होटल व्यावसायी ने पुलिस से शिकायत की।

स्काई पॉवर प्लांट के बाहर ट्रक और माजदा से 29 टन कबाड़ जब्त किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। खरसिया के स्काई पॉवर प्लांट के बाहर खड़े ट्रक और माजदा वाहन में लोड 29 टन कबाड़ पुलिस ने जब्त किया है। कबाड़ से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई की गई है।

शनिवार शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम टेमटेमा स्थित स्काई पॉवर प्लांट गेट के बाहर तीन संदिग्ध वाहनों में अवैध कबाड़ लोड कर खड़ा किया गया है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और वाहनों की जांच की। वाहन क्रमांक सीजी 13 एन 7028 में चालक कुंभकरण सिदार मिला। उसके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच में वाहन और उसमें लदा सामान नियमानुसार परिवहन के लिए पाया गया, जिस पर वाहन को जाने दिया गया। वहीं ट्रक ओआर 06 एच 7626 और माजदा वाहन सीजी 13 एजेड 0819 में भारी मात्रा में कबाड़ लदा मिला, लेकिन मौके पर कोई चालक या संबंधित व्यक्ति मौजूद नहीं था। दोनों वाहनों की तलाशी के दौरान कबाड़ से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने पर इन वाहनों और कबाड़ के संबंध में वाहन स्वामी और संपत्ति के खिलाफ थाना खरसिया पुलिस ने धारा 106 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

शादी समारोह में खूनी झड़प : दुल्हन के भाई की चाकू मारकर हत्या, 4 घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले के मगरलोड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भोथीडीह में शादी समारोह के दौरान हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। चौथीया कार्यक्रम के दौरान दुल्हन पक्ष और बैंड बाजा टीम के बीच हुए झगड़े में दुल्हन के भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के मुताबिक, गरियाबंद के मालगांव से आए दुल्हन पक्ष और बैंड बाजा बजाने वाले लोगों के बीच नाच-गाने के दौरान कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान एक युवक ने चंदन निषाद (23 वर्ष) पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले में चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें तरुण ध्रुव की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। घटना का वीडियो पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मगरलोड पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

पुलिस ने सात आरोपियों को किया गिरफ्तार

धमतरी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र पांडे के अनुसार, घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो विधि से संघर्षरत बालक (नाबालिग) भी शामिल हैं, जिन पर किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

नशीला पदार्थ पिलाकर किया दुष्कर्म, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में एक युवती से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक प्लांट में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था और उसने युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार, जशपुर जिले के कांसाबेल थाने में 32 वर्षीय पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वह पूंजीपथरा क्षेत्र में मजदूरी करती थी, जहां उसकी पहचान प्लांट में कार्यरत सुपरवाइजर पंकज यादव से हुई थी। आरोपी का उसके कमरे में आना-जाना था। पीड़िता के मुताबिक, 20 मार्च 2025 को आरोपी एक महिला के साथ उसके कमरे में पहुंचा और चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और इस दौरान अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद अप्रैल में आरोपी ने दोबारा दबाव बनाकर संबंध बनाने की कोशिश की, जिससे डरकर पीड़िता अपने गांव लौट गई।

आरोप है कि पिछले कुछ समय से आरोपी उस वीडियो को पीड़िता और उसके परिवार के लोगों को भेजकर उसे बदनाम कर रहा था। मानसिक रूप से परेशान होकर युवती ने इसकी शिकायत पुलिस से की। मामले की गंभीरता को देखते हुए कांसाबेल थाना पुलिस ने केस दर्ज कर डायरी पूंजीपथरा थाना भेजी, जहां अपराध दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पंकज गोपाल उर्फ पंकज यादव (32 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के मोबाइल की जांच में आपत्तिजनक वीडियो मिलने पर आईटी एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

अस्पताल में हंगामा कर डॉक्टर से किया मारपीट, आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के बोड़ला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर घटना सामने आई है, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ एक युवक द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ से विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा।

बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था और इलाज को लेकर कर्मचारियों से बहस करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने डॉक्टर के साथ हाथापाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ भी धक्का-मुक्की किए जाने की बात सामने आई है। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और वहां मौजूद मरीजों व उनके परिजनों में भय का माहौल बन गया। अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और लोगों ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित करते हुए आरोपी को काबू में किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। अस्पताल स्टाफ ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। युवक के खिलाफ मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

नशे की हालत में ग्रामीण ने खुदकुशी

बीजापुर। बीजापुर बेनूर थाना क्षेत्र अंतर्गत भुरवाल (घोटुलपारा) निवासी सीताराम नाग (45 वर्ष) ने गुरुवार को नशे की हालत में घर में साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी मिलते ही परिजनों और कोटवार ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बेनूर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेनूर भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

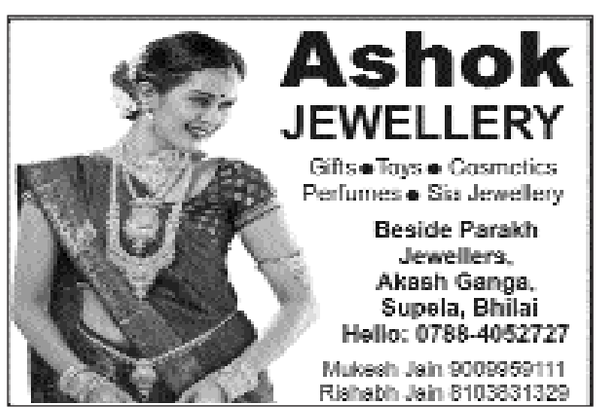

खास खबर

तमनार रेंज में हाथी शावक की मौत, वन विभाग अलर्ट

रायगढ़। जिले के तमनार वन परिक्षेत्र में हाथी के एक शावक का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद वन विभाग ने आसपास के क्षेत्रों में हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखना शुरू कर दिया है। तमनार रेंज के साथ-साथ धर्मजयगढ़ और रायगढ़ वन मंडल में हाल के दिनों में हाथी शावकों की मौत के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे विभाग की चिंता बढ़ गई है। जिले में हाथियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और बीते कुछ वर्षों में शावकों की जन्म दर में भी इजाफा हुआ है।

एंजेल सिंह का सिविल जज के पद पर हुआ चयन

कोरबा। कोरबा की बेटी एंजेल सिंह का चयन सिविल जज के पद पर हुआ है। न्यायिक सेवा के क्षेत्र में स्थान प्राप्त करने वाली एंजेल सिंह कोरबा जिले के वरिष्ठ पत्रकार रवि पी सिंह एवं शासकीय कन्या उच्च तर माध्यमिक शाला बालको की सेवानिवृत्त प्राचार्या श्रीमती रत्नप्रभा सिंह निवासी दुरपा रोड, कोरबा की पुत्री हैं।

अग्निवीर सैनिक हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। भारतीय थल सेना द्वारा राज्य के अविवाहित उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर सैनिक के विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाईन पंजीयन व आवेदन आमंत्रित की गई है। भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 1 अप्रैल 2026 तक थलसेना के वेबसाईट ज्वाइन इंडियन आर्मी डॉट एनआईसी डॉट इन (www.joinindian-army.nic.in) से ऑनलाईन पंजीयन व आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

गिरौदपुरी संत समागम में पहुंचे मुख्यमंत्री, कहा - बाबा गुरू घासीदास जी के बताए मार्ग पर काम कर रही हमारी सरकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को बाबा गुरु घासीदास जी की जन्मभूमि एवं तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में आयोजित संत समागम एवं गुरुदर्शन मेला में शामिल हुए। उन्होंने पूज्य गुरुगद्दी का दर्शन एवं पूजा - अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि के लिये कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा गुरू घासीदास के मनखे- मनखे एक समान का सन्देश, मानव को मानव से जोड़ने वाला और सद्भाव व समरसता बढ़ाने वाला है। बाबा गुरु घासीदास जी के बताए मार्ग पर हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के द्वारा गिरौदपुरी का सतत् विकास किया जा रहा है। विशाल जैतखाम निर्माण से लेकर अनेक सुविधाओं का विस्तार यहां किया गया है।

उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा किये गए जनसुविधा विस्तार कार्य की सराहना की और कहा कि वेबसाईट और मोबाइल एप्प से भी मेले में उपलब्ध सुविधा की जानकारी श्रद्धालु ले सकते हैं। उन्होंने इस दौरान वहां चस्पा किये गए क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन कर जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर मुख्य मंदिर का प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया। मुख्यमंत्री के हाथों स्थानीय श्रद्धालु एवं स्व सहायता समूह की महिलाएं प्रसाद ग्रहण कर उत्साहित हुए। गौरतलब है कि गिरौदपुरी में तीन दिवसीय संत समागम एवं गुरू दर्शन मेला 22 फरवरी से प्रारंभ होकर 24 फरवरी 2026 तक चलेगा। प्रदेश सहित देश एवं विदेश से भी सतनाम पंथ के अनुयायी यहां मेले में आए हुए हैं।

इस अवसर पर धर्मगुरू गुरु बालदास साहेब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, राजिम विधायक रोहित साहु, जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर नवीन अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, डीएफओ गणवीर धम्मशील, पूर्व सांसद गुहा राम अजगले, पूर्व विधायक डॉ सनम जांगड़े सहित जनप्रतिनिधि वरिष्ठ अधिकारी सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

न्यायाधीशों को अपने दायित्व में एक संरक्षक के रूप में सदैव दृढ़ रहना चाहिए : जस्टिस सूर्यकांत

हर्षित अग्रवाल

रायपुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि प्रत्येक न्यायाधीश को अपने दायित्व में एक संरक्षक के रूप में दृढ़ रहना चाहिए- सिद्धांतों में अडिग आचरण में संतुलित और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में तत्पर। न्यायालय स्वयं को समाज से पृथक नहीं कर सकते। जो न्यायालय स्वयं को सीमित कर लेता है वह अप्रासंगिक होने का जोखिम उठाता है। उच्च न्यायालय को दंतेवाड़ा, बस्तर, सरगुजा और राज्य के प्रत्येक जिले तक अपनी दृष्टि और संवेदनशीलता का विस्तार करना चाहिए जहाँ न्याय की अपेक्षा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत अपने सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की गौरवशाली विरासत को चिह्नित करते हुए ई-स्मारिका का डिजिटल विमोचन किया। समारोह में उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति नरसिम्हा तथा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायमूर्ति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि छत्तीसगढ़ भारत की विविधता का लघु रूप है। इसे 36 किलों की भूमि माना जाता है। ये किले केवल रक्षा संरचनाएँ नहीं थे बल्कि शासन प्रशासन और सामुदायिक जीवन के केंद्र थे। वे केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि जिन मूल्यों की रक्षा करते थे उनसे सुदृढ़ बने रहे। संवैधानिक न्यायालयों को लोकतंत्र के आधुनिक किलों के रूप में देखा जा सकता है। वे भूभाग की नहीं, अधिकारों की रक्षा करते हैं; वे सीमाओं की नहीं, बल्कि सत्ता की संवैधानिक मर्यादाओं की रक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, भारत की सबसे युवा संवैधानिक संस्थाओं में से एक है, जब अपेक्षाकृत युवा उच्च न्यायालय अपने कार्य का विस्तार करता है और अपनी संस्थागत उपस्थिति को सुदृढ़ बनाता है तो वह पदानुक्रम नहीं बल्कि संवैधानिक परिवार के भीतर भाईचारे की भावना को दर्शाता है। यद्यपि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय आयु में युवा है, किंतु उसने अपने उच्च मानदंड और परंपराएँ स्थापित कर ली हैं।

स्वागत भाषण में न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों तथा न्यायिक निष्पक्षता के प्रति गहन प्रतिबद्धता संपूर्ण न्यायिक समुदाय को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि हम आज एक ऐतिहासिक पल के साक्षी हैं- ई-स्मारिका के जो छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की परिवर्तनकारी यात्रा को सुंदर रूप में प्रस्तुत करती है। यह अकादमी राज्य में न्यायिक उत्कृष्टता की आधारशिला है। साधारण प्रारंभ से आधुनिक विधिक प्रशिक्षण के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित होने तक की इसकी यात्रा एक सक्षम और सुदृढ़ न्यायपालिका के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह ई-स्मारिका मात्र एक डिजिटल दस्तावेज नहीं बल्कि न्यायिक शिक्षा के प्रति हमारे समर्पण आधारभूत संरचना के विकास तथा डिजिटल युग के अनुरूप हमारे अनुकूलन का सजीव दस्तावेज है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायमूर्ति छत्तीसगढ़, बिलासपुर के स्वागत भाषण से हुआ तथा समापन न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायमूर्ति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपरोक्त कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पी. सैम कोशी, न्यायमूर्ति तेलंगाना उच्च न्यायालय, विधि विभाग के प्रमुख सचिव, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, रायपुर जिला के न्यायाधीशगण एवं उच्च न्यायालय के कर्मचारीगण की उपस्थिति रही।

सशक्त समाज निर्माण में शिक्षा संगठन की भूमिका अहम : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बलौदा बाजार जिले के ग्राम चांपा में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के दो दिवसीय 80वें महाअधिवेशन में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक डॉ. खूबचंद बघेल की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मनवा कुर्मी समाज को परिश्रमी, संगठित और उन्नत कृषक परंपरा वाला समाज बताते हुए कहा कि समाज का योगदान राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने 80वें महाअधिवेशन की बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मेल-मिलाप, समन्वय और सकारात्मक निर्णयों को बढ़ावा देते हैं, जिसका लाभ पूरे प्रदेश और देश को मिलता है। राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा के गृह ग्राम चांपा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा सशक्त समाज निर्माण का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने समाज द्वारा बेटा-बेटी दोनों को शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही आत्मनिर्भर और प्रगतिशील समाज बनता है। उन्होंने महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने, युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता और सामाजिक सुधार के प्रयासों को भी सराहनीय बताया।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए गए हैं। इस वर्ष समर्थन मूल्य पर 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा गया है। महतारी वंदन योजना के तहत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। नियद नेल्लर योजना के माध्यम से लगभग 400 गांवों में विकास कार्यों को गति दी गई है। मार्च 2026 तक नक्सलवाद भी पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मिशन कनेक्ट : सुकमा में इमली तले सजी चौपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप सुकमा जिले में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का अंदरूनी इलाके के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से संचालित मिशन कनेक्ट के अंतर्गत गांवों में चौपाल लगाकर मौके पर ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान और योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

इसी सिलसिले में कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने ग्राम पोंगाभेज्जी पहुंचकर वहां की जमीनी हकीकत का मुआयना किया। इस मौके पर शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। मिशन कनेक्ट वास्तव में प्रशासन और ग्रामीणों के मध्य विश्वास एवं संवाद को सुदृढ़ करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

पोंगाभेज्जी ग्राम पहुंचने पर कलेक्टर एवं अधिकारियों की टीम

ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित एवं प्रगतिरत आवासों, जल जीवन मिशन के कार्यों, आंगनबाड़ी भवन, शासकीय विद्यालय तथा पंचायत भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने इस मौके पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में आवश्यक गति लाई जाए तथा गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए।

भ्रमण के दौरान ग्राम में इमली के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर कलेक्टर ने ग्रामीणों से रूबरू बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, नल-जल कनेक्शन, शौचालय निर्माण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत डबरी निर्माण एवं भूमि समतलीकरण कार्य, बकरी शेड एवं गौशाला शेड जैसी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर ग्रामीणों की मांग पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने ग्राम में देवगुड़ी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की तथा निर्माणाधीन पुल के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

जल जीवन मिशन के माध्यम से अब अधिकांश घरों तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है तथा पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास एवं शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। ग्रामीण बेहद प्रसन्न नजर आए। कलेक्टर ने शुक्रवार को ग्राम में विशेष आधार शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

पंडरिया विधायक ने पांव पखारकर करायी 165 आदिवासी परिवारों की स्वधर्म वापसी

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। के पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल क्षेत्रों से लगभग 165 आदिवासी परिवारों के सदस्यों ने अपने मूल धर्म एवं परंपराओं में पुन: आस्था व्यक्त करते हुए घर वापसी की। वे अब तक कुल 400 आदिवासी परिवारों की स्वधर्म वापसी करवा चुकी हैं।

पंडरिया के ग्राम कुल्हीडोंगरी में प्राथमिक शाला के पास आयोजित संस्कृति गौरव सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में भावना ने सभी लौटे हुए जनजातीय भाई-बहनों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके पैर पखारकर सम्मान प्रकट किया।

विधायक भावना बोहरा निरंतर सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा आदिवासी एवं वनवासी परंपराओं के संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, भोले-भाले आदिवासी समाज को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने वालों के इरादों पर कड़ा प्रहार हो रहा है। इससे पूर्व भी भावना के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में घर वापसी हुई है। नेऊर क्षेत्र के आसपास के गांवों से 115 नागरिक, कुई-कुकदुर क्षेत्र से 70 नागरिक एवं ग्राम दमगढ़ से 50 नागरिक और आज कुल्हीडोंगरी में 165 नागरिकों की वापसी के साथ, पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों से अब तक लगभग 400 से अधिक आदिवासी नागरिक अपने मूल धर्म और सांस्कृतिक जड़ों से पुन: जुड़े हैं। यह केवल आस्था नहीं, सांस्कृतिक अस्मिता और आत्मगौरव का अभियान है।

निःशुल्क एम्बुलेंस, मोबाइल हेल्थ, पैथ लैब जैसी सुविधाओं से बदले हालात

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा वनांचल क्षेत्रों में विकास एवं रोजगार के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा, नि:शुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब, 2 बाइक एम्बुलेंस, शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार, अधोसंरचना एवं विकास कार्य, जनजातीय परिवारों के लिए पीएम आवास, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत पक्की सड़कों का निर्माण, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार से लगातार यहां की तस्वीर बदल रही है। भावना ने दोहराया कि, सरकार का संकल्प है कि वनांचल का प्रत्येक परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मानजनक जीवन से जुड़े। कुल्हीडोंगरी का यह आयोजन केवल घर वापसी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और विकास के समन्वय का प्रतीक बन गया।

बजट सत्र में आएगा छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक : भावना

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि संसाधनों की कमी, प्रलोभन या दबाव के माध्यम से धर्मांतरण कराया जाता रहा है। परंतु डबल इंजन भाजपा सरकार के आगमन के बाद विकास कार्यों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से वनांचल क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। निरंतर संवाद, जनसंपर्क, पारदर्शी विकास कार्यों और विश्वास निर्माण के प्रयासों ने ऐसा वातावरण बनाया है, जिससे जनजातीय परिवार पुन: अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट रहें हैं। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण पर रोक के लिए सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। विधानसभा बजट सत्र में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 रखा जाएगा। यह विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार की रक्षा करेगा और प्रलोभन, दबाव या छलपूर्वक धर्म परिवर्तन की गतिविधियों को नियंत्रित करेगा। इसके साथ ही राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित कर विकास के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ाव सुनिश्चित करेगा।

एसआईएचएम पर्यटन शिक्षा प्रदर्शनी में 300 भागीदारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय इंडिया टूरिज्म, मुंबई द्वारा स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, रायपुर (एसआईएचएम) के सहयोग से 'देखो अपना देश' ब्रोशर निर्माण प्रतियोगिता, पुरस्कार वितरण समारोह एवं पर्यटन शिक्षा प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में भारत के विविध पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों से उन्हें परिचित कराना रहा।

छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन मुख्य अतिथि रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंद्र कुमार साहू, विधायक अभनपुर तथा पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक मोहम्मद फारूक मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त पश्चिम एवं मध्य क्षेत्रीय कार्यालय के प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की डीजीएम सुश्री पूनम शर्मा,

आईएचएम रायपुर के वरिष्ठ लेखा अधिकारी समीर मिश्रा तथा संस्थान के प्राचार्य विवेक आचार्य के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के विजेताओं को नकद पुरस्कार (चेक), पदक, किट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यभर से लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, दुधली के छात्रों ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार हासिल कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बैकुंठपुर एसईसीएल एवं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महाराजपुर कवर्धा ने राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय खैरागढ़, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय कुरुद तथा पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय धमतरी ने राज्य स्तर पर तृतीय पुरस्कार अर्जित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग में उपलब्ध विविध और बढ़ते करियर अवसरों पर विशेष प्रस्तुति दी गई। छात्रों एवं शिक्षकों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिससे सहभागिता और ज्ञानवर्धन को बढ़ावा मिला। प्रदर्शनी में होटल उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया था। प्रतिभागियों को एसआईएचएम रायपुर परिसर का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा। छात्रों ने रिसेप्शन प्रबंधन, खाद्य एवं बेकरी निर्माण, फ्रूट एवं वेजिटेबल कार्विंग, फ्लावर डेकोरेशन, टॉवेल आर्ट तथा मॉकटेल निर्माण जैसी व्यावहारिक गतिविधियों का प्रदर्शन देखा और आतिथ्य उद्योग की बारीकियों को समझा।

'देखो अपना देश' पहल के माध्यम से छात्रों में भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के प्रति रुचि और गर्व की भावना विकसित हुई है। यह आयोजन न केवल रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करता है, बल्कि युवाओं को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं से भी जोड़ता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950